महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कुछ बातें, कुछ यादें, कुछ लोग और उनसे बने हुए रिश्ते कभी भुलाये नहीं जा सकते...!!!

वर्ष : 16 अंक : 285 | उज्जैन, शनिवार 28 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जायेंगे 4-4 लाख रुपये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सभी घायलों को दी जाएगी एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति श्री कृष्णा इनवाती, श्री रामदास पिता श्री सुकलू पराने, श्री दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति श्री दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी श्री लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

जिला अस्पताल में उपचाररत घायलों के जाने हाल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में गुरूवार को हुई सड़क दुर्घटना के घायल व्यक्तियों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सकों को सभी घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक किए गए उपचार की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों को नागपुर अथवा अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार घायलों के निःशुल्क उपचार के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य जगह रेफर किए जाने की स्थिति में भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

घायलों का सहयोग करने वाले जवानों को किया जायेगा पुरस्कृत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की, जिन्होंने घायलों की पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से सहायता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रामनवमी के पहले से निर्धारित सतना जिले के चित्रकूट के विभिन्न कार्यक्रमों को निरस्त कर छिंदवाड़ा में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे।

न्यूज ब्रीफ

सीधे सवाल पूछें, संसद में धन्यवाद दे रहे सांसद से बोले ओम बिरला; पहले भी हो चुके नाराज

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक बार फिर संसद का समय खराब करने पर नाराजगी जाहिर की है। शुक्रवार को उन्होंने सदस्यों से अपील की है कि धन्यवाद में समय लगाने के बजाए सीधे सवाल करें। इससे पहले भी वह सांसदों की तरफ से लंबे जवाब दिए जाने पर आपत्ति जाहिर कर चुके हैं। दरअसल, बिरला ने यह टिप्पणी उस वक्त की जब भारतीय जनता पार्टी के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने से पहले उनका धन्यवाद किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, माननीय सदस्यगण, आप लोग धन्यवाद देने में जो समय खर्च करते हैं, उससे ज्यादा समय प्रश्न पूछने में खर्च करें। धन्यवाद की आवश्यकता नहीं है। कुछ समय पहले ही बिरला ने प्रश्नकाल में सदस्यों से संक्षिप्त प्रश्न पूछने और मंत्रियों से छोटे जवाब देने का अपना आग्रह दोहराते हुए मंगलवार को कहा कि क्या मंत्री संक्षिप्त जवाब देने की कोशिश नहीं कर सकते। प्रश्नकाल में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य जीएम हरीश बालयोगी के पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

इस दौरान बिरला ने उन्हें टोकते हुए कहा, आप भाषण क्यों दे रहे हैं। आप तो जवाब दो। इसके बाद जब वर्मा दूसरे पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे तो अध्यक्ष ने कहा, आप लोग संक्षिप्त जवाब देने की कोशिश नहीं कर सकते। मैंने कितनी बार सदन में यह आग्रह किया है। हर बार विस्तृत जवाब देते हो आप। जितना (सदस्य) पूछें आप उतना जवाब दे दो।

राहुल गांधी को ट्यूशन दिया जाए, अर्थव्यवस्था के बारे में गलत बोलते हैं: कंगना रनौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता पर देश की अर्थव्यवस्था के बारे में गलत दावे करने का आरोप लगाया और तंज कसते हुए कहा कि उन्हें ट्यूशन दिया जाना चाहिए। रनौत ने दिवाला और शोधन अक्षमता संशोधन विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया, कांग्रेस के शासन काल में उद्योगपतियों को ऋण देने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बैंकों को फोन किया करते थे। कंगना रनौत ने कहा, एक वक्त था जब कांग्रेस के प्रधानमंत्री बड़े-बड़े उद्योगपतियों को ऋण फोन पर दिलाया करते थे। बैंक इतने खस्ताहाल हो गए थे कि उनकी रिकवरी दर 5 प्रतिशत से लेकर मात्र 20 प्रतिशत तक थी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के समय वित्त मंत्री कहते थे कि यह अनपढ़, गंवार लोगों का देश है। ये क्या डिजिटल भुगतान करेंगे? कांग्रेस के लोगों ने भारतीयों का आत्मविश्वास तार-तार कर दिया था, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने उसे जगाने का काम किया। पीएम मोदी ने बैंकों का सशक्तीकरण किया है। बीजेपी लीडर रनौत ने कहा कांग्रेस के शासन काल के दौरान बैंकों की गैर निष्पादित आस्तियां 11.5 प्रतिशत थीं, जो मार्च 2025 में घटकर 2.25 प्रतिशत रह गईं। उन्होंने सदन में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन राहुल जी कहते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था तो डूब रही है। कहीं-कहीं जाकर वह देश के बारे में इतना गंदा बोलते हैं कि उन्हें एक ट्यूशन दिया जाना चाहिए। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि हर जगह जाकर भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में इतना गलत बोलते रहते हैं। भाजपा के जगदंबिका पाल ने भी रनौत की बातों का समर्थन करते हुए कहा, जैसा कि कंगना ने कहा कि एक फोन बैंकिंग चल रहा था। फोन किया जाता था और उसी पर लोन मिल जाता था। इससे पहले, कंगना रनौत ने राहुल गांधी को लेकर कहा था, हम महिलाओं को उन्हें देखकर बहुत असहज महसूस होता है।

ईरान संकट के बीच सरकार बनी आम आदमी की ढाल, टैक्स कटौती की वजह से करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। कच्चे तेल की कम होती सप्लाई और बढ़ते दामों का बोझ आम आदमी के ऊपर आना तय माना जा रहा था। ऐसे समय में केंद्र सरकार जनता के दर्द को कम करते हुए पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को 10 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से कम कर दिया है। पश्चिम एशिया के दर्द से जनता को बचाने के लिए सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का असर राजस्व पर पड़ना तय है। सीबीआईटीसी मुताबिक इस फैसले की वजह से सरकार को अगले 15 दिनों में 7 हजार करोड़ का नुकसान होगा।

पेट्रोल और डीजल के ऊपर से उत्पाद टैक्स हटाने का यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब ईरान युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कल देर रात हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का असर जनता के ऊपर न पड़े। इसके कुछ देर बाद ही वित्त मंत्रालय ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा कर दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया साइट पर इसकी जानकारी दी।

अमृतपाल सिंह को हाई कोर्ट से तगड़ा झटका, नहीं मिली बजट सत्र में शामिल होने की इजाजत

नई दिल्ली/ जीएनएस। खाडूर साहिब से सांसदऔर खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी अस्थायी रिहाई की अपील को खरिज कर दिया है। चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की बेंच के सामने उनकी याचिका पेश की गई थी। अमृतपाल सिंह ने कहा था कि वह खाडूर साहिब की जनता के प्रतिनिधि हैं और इसलिए उन्हें बजट सेशल में पेश होने के लिए रिहा किया जाना चाहिए। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरम 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा।

अमृतपाल सिंह ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी का आदेश राजनीति से प्रेरित है। वह 19 लाख लोगों की आबादी वाले खाडूर साहिब का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं। इस तरह लगातार जेल में रखने से उनके लोकतांत्रक अधिकारों का हनन हो रहा है। बेंच ने कहा था कि वह 59 बैठकों में लोकसभा में उपस्थित नहीं रहे लेकिन इससे उनकी सदस्यता पर कोी प्रभाव नहीं पड़ा है। फिर भी वह चाहें तो छुट्टी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसपर संसदीय समिति विचार करेगी।

अर्थ आवर के 20 साल पूरे होने पर स्मारकों और विरासत स्थलों पर एक घंटे बिजली रहेगी गुल, ASI ने की घोषणा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत शनिवार को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार है। अर्थ आवर के 20 साल पूरे होने पर पूरा भारत जश्न मनाने के लिए एकजुट हो रहा है। जानकारी के अनुसार 28 मार्च शनिवार को रात के 8:30 बजे से 9:30 बजे तक, देश अपनी अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी में से एक का गवाह बनेगा। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक, देश के कुछ सबसे मशहूर स्मारक, विरासत स्थल और सरकारी इमारतें, ग्रह के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए अपनी बत्तियां बुझा देंगी।

मुंबई और दिल्ली सहित कई राज्यों में दिखेगा अर्थ आवर का असर- मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और ब्रस्ट मुख्यालय जैसे मशहूर स्थल इस अभियान में शामिल होंगे। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में, अक्षरधाम, इंडिया गेट, कुतुब मीनार, लाल किला, हुमायूं का मकबरा, जंतर मंतर और सफदरजंग का मकबरा जैसे प्रमुख स्थलों की भागीदारी देखने को मिलेगी। लद्दाख में, शांत शांति स्तूप की बत्तियां धीमी हो जाएंगी, जबकि केरल में केरल विधानसभा और कनककुन्नू पैलेस इस अभियान में शामिल होंगे। कर्नाटक में, शानदार मैसूर पैलेस इस पहल में शामिल होगा। तेलंगाना के प्रमुख स्थल भी इसमें योगदान देंगे, जिसमें डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय, राज्य संग्रहालय, गोलकोंडा किला, राजभवन, चारमीनार और टैंक बंड पर स्थित मशहूर बुद्ध प्रतिमा शामिल हैं।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर उठाया गया कदम- पश्चिम बंगाल में, कोलकाता का नजारा तब धुंधला हो जाएगा जब रबींद्र सेतु (हावड़ा ब्रिज), विद्यासागर सेतु, विक्टोरिया मेमोरियल, टाटा सेंटर, लोक भवन और विक्टोरिया हाउस अपनी बत्तियां बुझा देंगे। राजस्थान में, सुंदर मॉनसून पैलेस भी इस नेक काम के समर्थन में अंधेरे में डूब जाएगा। तमिलनाडु में, चेन्नई के मशहूर स्थल, जिसमें रिपन बिल्डिंग, विक्टोरिया पब्लिक हॉल और नेपियर ब्रिज शामिल हैं। इस देशव्यापी स्विच-ऑफ अभियान में शामिल होंगे। यह कदम जलवायु कार्रवाई के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विशेष सराहना- बता दे कि इस साल का अर्थ आवर विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह वैश्विक जलवायु कार्रवाई और जागरूकता के दो दशकों को दिखाने का काम करता है। इसमें भारत की भागीदारी, स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति देश की बढ़ती प्रतिबद्धता को भी दर्शाने का काम करती है। वहीं इस पहल के लिए में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विशेष सराहना का पात्र है।

हिंदू देवी-देवताओं का जिक्र; वंदे मातरम को अनिवार्य करने पर विवाद, HC में मामला

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार द्वारा स्कूलों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी छह अंतरों को गाना अनिवार्य करने के हालिया निर्देश को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। एक वकील द्वारा दायर जनहित याचिका में तर्क दिया गया है कि गीत के बाद के चार अंतरे धार्मिक प्रकृति के हैं, जिन्हें स्कूलों में अनिवार्य करना असंवैधानिक है। अधिवक्ता सोमशेखर राजवंशी द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार का फरवरी का प्रोटोकॉल एडवाइजरी निर्देश बच्चों को ऐसी प्रार्थना करने के लिए मजबूर करता है जिसमें हिंदू देवी-देवताओं का आह्वान किया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, गीत के पांचवें अंतरे में विशेष रूप से देवी दुर्गा, कमला (लक्ष्मी) और वाणी (सरस्वती) का नाम लिया गया है। याचिका में दलील दी गई है कि यह निर्देश संविधान के अनुच्छेद 25-28 (अंतरात्मा की स्वतंत्रता और सरकारी संस्थानों में धार्मिक शिक्षा पर रोक) और अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया कि उन्हें गीत के पहले दो अंतरों के देशभक्तिपूर्ण चरित्र पर कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट को बताया गया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों को एकजुट करने के लिए केवल पहले दो अंतरों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया गया था। आपको बता दें कि पिछले महीने केंद्र सरकार ने एक नया निर्देश जारी कर मूल गीत के सभी छह अंतरों को राष्ट्रगीत के रूप में निर्धारित कर दिया।

'मैं शिव, तुम मेरी पार्वती'; कौन है धर्मगुरु ऋषिकेश वैद्य, जिसने ऐसा कह महिला से किया बलात्कार

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र में एक और पाखंडी बाबा की करतूत सामने आई है। नए मामले में खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर एक महिला से बलात्कार करने के आरोप में पालघर जिले के एक स्वयंभू बाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नासिक में बलात्कार के आरोपी स्वयंभू बाबा अशोक खरात की हालिया गिरफ्तारी के बाद पुणे निवासी 35 वर्षीय महिला ने 40 वर्षीय आरोपी ऋषिकेश वैद्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का साहस जुटाया। हालांकि, आरोपी वैद्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट कर अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला पहली बार 2023 में फेसबुक के जरिए आरोपी बाबा के संपर्क में आई थी। दर्ज प्राथमिकी के हवाले से एक अधिकारी ने कहा, उस साल (2023) दिसंबर में आरोपी महिला से मिलने पुणे गया था। उसने कथित तौर पर यह दावा किया कि वह महादेव (भगवान शिव) का अवतार है और वह उसकी पार्वती है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी व्यक्ति उसे पुणे के मांजरी इलाके के एक लॉज में ले गया और उसे कोई नशीला पदार्थ पिलाया और इसके बाद उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी ने कथित तौर पर महिला की तस्वीरें भी ले लीं।

बलात्कार का आरोपी ऋषिकेश वैद्य आमची वसई नामक सामाजिक संस्था का अध्यक्ष है। वह अपनी संस्था के माध्यम से लोगों को अध्यात्म सिखाता है।

1971 का दर्द नहीं भूला बांग्लादेश, भारत से बढ़ाई दोस्ती

नई दिल्ली/ जीएनएस। बांग्लादेश ने 26 मार्च को अपना स्वतंत्रता दिवस पूरी भव्यता और ऐतिहासिक गौरव के साथ मनाया। 1971 में पाकिस्तान के दमनकारी शासन से मिली इस आजादी का जश्न इस साल कुछ खास मायने रखता है। दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में पिछले कुछ समय से चल रही उथल-पुथल के बीच, बांग्लादेश ने एक स्पष्ट संदेश दिया है। शेख हसीना के लंबे शासनकाल के अंत और उसके बाद के घटनाक्रमों को पीछे छोड़ते हुए तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार ने भारत के साथ अपने रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को एक नई दिशा दी है।

इस बदलते परिदृश्य में सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान को लगा है। शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद इस्लामाबाद में जो उम्मीदें जगी थीं, वे अब पूरी तरह से धूमिल हो चुकी हैं। बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह दोनों देशों के बीच संबंधों की एक नई और मजबूत शुरुआत का प्रतीक बना। इस कार्यक्रम में भारत के विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री का शामिल होना महज एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी। यह इस बात का स्पष्ट संकेत था कि नई दिल्ली तारिक रहमान की सरकार के साथ मजबूती से खड़ी है। लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि भारत के संबंध केवल अवामी लीग (शेख हसीना की पार्टी) तक ही सीमित हैं।

लेकिन इस आयोजन ने साबित कर दिया है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते किसी एक राजनीतिक दल से ऊपर उठकर, दोनों देशों के साझा हितों और भौगोलिक वास्तविकता पर टिके हैं। 26 मार्च के कार्यक्रम में हाई कमिश्नर रियाज हामिदुल्लाह ने 1971 के मुक्ति संग्राम का जिक्र किया, जहां भारत ने बांग्लादेश की मदद की थी- 1668 भारतीय सैनिक शहीद हुए, पश्चिम बंगाल-त्रिपुरा-पूर्वोत्तर के लोग मदद के लिए आगे आए। उन्होंने साझा सांस्कृतिक विरासत (रवींद्रनाथ, नजरुल, सत्यजीत रे) का भी जिक्र किया। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना भारत भाग गईं। उनकी अनुपस्थिति में नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार संभाली।

29 मार्च को नर्मदा चतुर्थ चरण का भूमिपूजन, इंदौर को मिलेगी 1356 करोड़ की सौगात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नर्मदा चतुर्थ चरण परियोजना के अंतर्गत तीन पैकेजों के भूमिपूजन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 29 मार्च को दशहरा मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहर को 1356 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यालय में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं और इंदौर पर उनकी विशेष कृपा है। नर्मदा के चौथे चरण से शहर को अतिरिक्त जल मिलेगा, जिससे विकास को नई गति मिलेगी और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस अवसर का स्वागत भव्यता और दिव्यता के साथ किया जाए।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि माँ नर्मदा का आशीर्वाद इंदौर पर हमेशा बना रहा है, जिससे शहर निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने अमृत योजना को शहर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यकर्ताओं से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह परियोजना इंदौर के भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करेगी और 29 मार्च का दिन शहर के विकास के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने बताया कि अमृत योजना के अंतर्गत लगभग 2.47 लाख परिवारों तक जल पहुंचाने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 40 नई पानी की टंकियों का निर्माण और 1600 किलोमीटर से अधिक लंबाई की ग्रेविटी मेन पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

बैठक में विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, सुदर्शन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

लव कुश चौराहे पर सिक्स लेन फ्लायओवर की बड़ी उपलब्धि, 400 टन वजनी बो स्ट्रिंग लॉन्च

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण ने लव कुश चौराहे पर निर्माणाधीन सिक्स लेन लेवल-2 फ्लायओवर परियोजना में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बो स्ट्रिंग सफलतापूर्वक लॉन्च कर दी है। यह फ्लायओवर 1452 मीटर लंबा है, जिसमें 19 सेगमेंटल स्पान, चार कंपोजिट गर्डर और एक बो स्ट्रिंग स्पान शामिल है।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार बो स्ट्रिंग स्पान की लंबाई 65 मीटर है और इसमें कुल दो बो स्ट्रिंग लॉन्च की जानी हैं। पहली बो स्ट्रिंग, जिसका वजन लगभग 400 मेट्रिक टन है, को 23 मीटर ऊंचाई पर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इस प्रक्रिया में साइड शिफ्ट तकनीक का उपयोग किया गया और साथ ही दूसरी बो स्ट्रिंग पर भी कार्य शुरू कर दिया गया है।

इस जटिल इंजीनियरिंग कार्य के लिए करीब 800 मेट्रिक टन स्टील स्टेजिंग और गर्डर का उपयोग किया गया, वहीं 600 टन और 300 टन क्षमता की क्रेनों की मदद से इसे फिट किया गया। बो स्ट्रिंग को लॉन्च करने के लिए तीन विंच मशीनों और पीटीएफई तकनीक का इस्तेमाल किया गया। पूरी प्रक्रिया रात के समय पूरी की गई ताकि यातायात प्रभावित न हो।

करीब 175 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह फ्लायओवर प्रदेश का अपने प्रकार का पहला पुल है। इसके पूर्ण होने के बाद उज्जैन रोड की ओर आने-जाने वाला यातायात अधिक सुगम और व्यवस्थित हो सकेगा, जिससे शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इंदौर में लावारिस हालत में मिला सिरोही का बालक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिरोही जिले का एक बालक इंदौर, मध्यप्रदेश में लावारिस अवस्था में मिलने के बाद बाल मजदूरी के मामले में सामने आया है। 16 फरवरी 2026 को पुलिस को यह बालक संदिग्ध स्थिति में मिला, जिसके बाद उसे आवश्यक प्रक्रिया के तहत बाल कल्याण समिति, इंदौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बालक से पूछताछ के दौरान यह जानकारी सामने आई कि उसे उसके सगे भाई ने ही 5 हजार रुपये में कमाने के लिए भेजा था। बताया गया कि जिस स्थान पर वह बाल मजदूरी कर रहा था, वहां से वह भाग निकला और बाद में पुलिस के हाथ लगा। बालक द्वारा स्वयं को सिरोही जिले का निवासी बताए जाने पर बाल कल्याण समिति, इंदौर ने बाल संरक्षण इकाई सिरोही से सामाजिक जांच रिपोर्ट मांगी।

जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि बालक वास्तव में सिरोही का ही निवासी है। इसके बाद उपनिरीक्षक प्रेमसिंह मेघवाल, सहायक उपनिरीक्षक इसाक खान, प्रधान आरक्षक दीपक प्रजापत और आरपी लाइन इंदौर के माध्यम से बालक को आवश्यक दस्तावेजों सहित बाल कल्याण समिति, सिरोही को सौंप दिया गया। यह प्रक्रिया समिति अध्यक्ष रतन बाफना और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में पूरी की गई।

सिरपुर तालाब निरीक्षण में सख्त दिखे आयुक्त, लापरवाही पर पेनल्टी और वेतन कटौती के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार सुबह शहर की सफाई व्यवस्था और सिरपुर तालाब क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सफाई में लापरवाही मिलने पर जहां एक ओर संबंधित एजेंसी पर 5 हजार रुपये की पेनल्टी लगाई गई, वहीं झोन 12 और 15 के सीएसआई का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए।

आयुक्त ने कर्बला मैदान, रणजीत हनुमान, चंदन नगर और सिरपुर तालाब क्षेत्र में स्थित सीटीपीटी की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सिरपुर तालाब के बाहर स्थित सामुदायिक शौचालय में गंदगी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी पर जुर्माना लगाया और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

इसके बाद आयुक्त ने सिरपुर तालाब का भ्रमण कर संरक्षण और संवर्धन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने तालाब में फैल रही जलकुंभी को हटाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए, साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि तालाब में किसी भी प्रकार का अपशिष्ट जल न मिले, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जाए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने एसटीपी प्लांट का भी अवलोकन किया और ट्रीटेड वाटर की गुणवत्ता की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने मुसाखेड़ी क्षेत्र में जलप्रदाय व्यवस्था का निरीक्षण कर स्काडा सिस्टम की समीक्षा की और गर्मी को देखते हुए पानी की आपूर्ति, प्रेशर और लीकेज की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर की सफाई और जल प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

इंदौर को 1356 करोड़ की जल परियोजनाओं की सौगात, 29 मार्च को नर्मदा चतुर्थ चरण का भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में पेयजल व्यवस्था को मजबूत और भविष्य के अनुरूप बनाने के लिए नर्मदा चतुर्थ चरण परियोजना के अंतर्गत 29 मार्च को दशहरा मैदान पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1356 करोड़ रुपये की जल परियोजनाओं के तीन पैकेजों का भूमिपूजन करेंगे, साथ ही सिरपुर में 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी करेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलप्रदाय विभाग प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा ने बताया कि यह परियोजना इंदौर की जल व्यवस्था को आधुनिक और दीर्घकालिक बनाएगी। अमृत 2.0 योजना के तहत इससे शहर में 24×7 जलापूर्ति सुनिश्चित होगी और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त 400 एमएलडी पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी।

परियोजना के तहत वांचू प्वाइंट से राऊ सर्कल तक लगभग 39 किलोमीटर लंबी ग्रेविटी मेन पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों तक पानी सुचारू रूप से पहुंचेगा। साथ ही आधुनिक तकनीक से टनल निर्माण और क्लोरीनेशन सिस्टम की स्थापना भी की जाएगी, जिससे पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

पैकेज-3 और 4 के अंतर्गत शहर में 40 नई पानी की टंकियों का निर्माण और 76 मौजूदा टंकियों का उन्नयन किया जाएगा। इसके साथ ही 1600 किलोमीटर से अधिक लंबाई की पाइपलाइन बिछाई जाएगी और करीब 2.47 लाख नए घरेलू जल कनेक्शन दिए जाएंगे। इस परियोजना के जरिए स्मार्ट तकनीक जैसे स्काडा आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया जाएगा, जिससे जल वितरण पर रियल टाइम निगरानी रखी जा सकेगी और लीकेज व पानी की बर्बादी पर नियंत्रण होगा।

इस योजना के अंतर्गत शहर के साथ-साथ आसपास के 29 गांवों तक भी नर्मदा जल पहुंचाया जाएगा, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को समान रूप से लाभ मिलेगा। जनप्रतिनिधियों ने इसे इंदौर के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह परियोजना न केवल आधारभूत ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य में भी सकारात्मक बदलाव लाएगी।

इंदौर में अवैध सट्टा कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध सट्टा कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना एरोड्रम क्षेत्र में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12 मोबाइल फोन, 7 कैलकुलेटर, 16,200 रुपये नगद और लाखों रुपये के सट्टे के हिसाब-किताब की पर्चियां जब्त की गई हैं।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शहर में अवैधानिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 मार्च 2026 को थाना एरोड्रम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सुविधि नगर क्षेत्र में सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आशीष नामक आरोपी को सट्टा लेते हुए पकड़ा।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सुपर कॉरिडोर निवासी महेश के कहने पर यह काम कर रहा था। इसके बाद पुलिस टीम ने सिंगापुर सिटी स्थित एक मकान पर छापा मारा, जहां 7 लोग मोबाइल के माध्यम से सट्टा लेते और लिखते पाए गए। सभी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की पूछताछ में शिवराम नामक एक अन्य आरोपी का नाम सामने आया, जिसे बाणगंगा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में रितेश, योगेश, शेखर, पंकज, दिनेश, प्रदीप, महेश, आशीष और शिवराम शामिल हैं। सभी के खिलाफ सट्टा एक्ट की धारा 4(क) एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 और 49 के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अब इस पूरे सट्टा नेटवर्क की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी किन लोगों के लिए यह अवैध कारोबार संचालित कर रहे थे। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है। इंदौर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

हाथीपाला हत्याकांड का आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार, पैसे के विवाद में दोस्त की हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के हाथीपाला क्षेत्र में हुए हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस थाना रावजी बाजार ने आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आपसी पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने अपने ही दोस्त पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

पुलिस के अनुसार फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी मोहम्मद अरबाज निवासी चंपाबाग के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। घटना के बाद घायल फिरोज को तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अधिक रक्तस्राव के कारण उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी और मृतक के बीच 10-12 वर्षों से दोस्ती थी। आरोपी ने मृतक को कुछ समय पहले पैसे उधार दिए थे, जिन्हें लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। 26 मार्च की रात हाथीपाला चौराहे के पास दोनों के बीच पैसे लौटाने को लेकर विवाद बढ़ गया, जिसके चलते आरोपी ने गुस्से में आकर फिरोज पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। सूचना मिली कि आरोपी भागने की फिराक में रेलवे ट्रैक के पास घूम रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। भागने के दौरान गिरने से आरोपी के पैर में चोट भी आई। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

यशवंत राव होल्कर बहादुर बने होल्कर राजपरिवार के उत्तराधिकारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महेश्वर-इंदौर की महारानी उषा देवी की इच्छा के अनुसार श्रीमंत युवराज यशवंत राव होल्कर बहादुर को इंदौर के होल्कर राजपरिवार के उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया गया है। उत्तराधिकारी समारोह के अवसर पर भगवान मल्हारी मार्तंड का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु होल्कर राजपरिवार के द्वारा इंदौर के राजवाड़ा स्थित मल्हारी मार्तंड देवस्थान में एक निजी सभा का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता इंदौर के होल्कर परिवार के राजगुरु डॉ. विजय राजोपाध्याय ने की। इसके अलावा, रामनवमी के पावन अवसर पर उपस्थित अतिथियों को पूजा-अनुष्ठान करने और भेंट चढ़ाने का अवसर भी मिला।

इस अवसर पर युवराज यशवंत राव होल्कर ने कहा, ÷मेरी बुआ, महारानी उषा देवी द्वारा मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी जाना, मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। आधुनिक युग के साथ होल्कर परिवार की औपचारिक भूमिका भी विकसित हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए, होल्कर सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से विरासत संरक्षण किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती रैली में शामिल होने के लिए एक अप्रैल तक करा सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन

इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों के उम्मीदवार होंगे भर्ती रैली में शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्निवीर भर्ती रैली वर्ष 2027 के अंतर्गत भारतीय सेना में योग्य युवाओं के चयन हेतु इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों में भर्ती रैली आयोजित की जानी है। इस भर्ती प्रक्रिया का दायित्व सेना भर्ती कार्यालय महू को सौंपा गया है। वर्ष 2027 के लिए अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया 01 अप्रैल 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से की जा सकती है।

इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी (GD), एसकेटी (SKT), टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

बताया गया कि इस बार सेना भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। अग्निवीर पदों के लिए एक जुलाई 2005 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे युवा आवेदन कर सकेंगे, जबकि स्थाई पदों के लिए एक जुलाई 2004 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे अभ्यर्थी पंजीयन के पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर दें। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय महू के दूरभाष क्रमांक 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

राऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 27 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन ड्रग पेडलर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के राऊ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर ड्रग पेडलरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 27 ग्राम ब्राउन शुगर, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 2.70 लाख रुपये आंकी गई है, तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पुलिस को क्षेत्र भ्रमण के दौरान रंगवासा फाटा स्थित गुरुकुल मैदान के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्तियों की सूचना मिली थी। घेराबंदी कर रोकने और तलाशी लेने पर उनके पास से ब्राउन शुगर बरामद हुई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी शहर में नशे की सप्लाई कर युवाओं को इसकी लत लगाने और अपने नेटवर्क को विस्तार देने में सक्रिय थे। गिरफ्तार आरोपियों में अंकित उर्फ बाबा पंचोली, महिपाल उर्फ मोहित विष्ट और श्याम बैरागी शामिल हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही मादक पदार्थ के स्रोत और अन्य जुड़े लोगों के बारे में भी पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना राऊ पुलिस टीम और साइबर सेल जोन-1 की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य ÷महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य÷ का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुँच रही है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का महाकुंभ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

अद्वितीय शौर्य और न्याय का चित्रण- वाराणसी में होने वाली तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के शकारि और साहसांक बनने की गाथा को जीवंत किया जाएगा। नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे एक लोक-कल्याणकारी राजा ने अपने राजकोष से धन देकर प्रजा को ऋणमुक्त किया और एक ऐसा साम्राज्य स्थापित किया जहाँ न कोई दरिद्र था और न ही कोई दुखी। साथ ही, सम्राट की नवरत्न परंपरा–जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे–के माध्यम से श्रेष्ठ भारत के निर्माण के संकल्प को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली के लाल किले पर सफल मंचन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसकी सराहना के बाद, वाराणसी का यह मंचन एक नया मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव 2026 ने डिजिटल आउटरीच में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ की रिपोर्ट के अनुसार, 7 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच इस आयोजन की डिजिटल रीच 17.72 करोड़ से अधिक रही है।

कृषि उत्पादन तथा किसान कल्याण में स्वर्णिम युग की शुरूआत, किसानों की समृद्धि और उनका समग्र विकास होगा - जल संसाधन मंत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के लिए किसान मेला आयोजित होगा जिसमें देश-प्रदेश के वैज्ञानिक आकर उन्नत खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण देंगे। उन्नत खेती से किसान समृद्धशाली और आर्थिक रूप से सक्षम होगा और अपनी फसल को उचित मूल्य पर बेच पाएगा। किसानों को उसकी फसल का उचित दाम मिले इसके लिए सरकार हर जिले में किसान मेला लगायेगी और छोटे-बड़े सभी किसानों को अच्छी फसल के लिए प्रशिक्षण देगी। किसानों को बिजली, पानी, सड़क सुविधा भी दी जाएगी। सांवेर-गवला मार्ग पर 5 करोड़ की लागत से पुल भी बनाया जाएगा। यह बात किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एंदलसिंह कंसाना ने आज सांवेर विधानसभा के ग्राम अरन्या में निजी कोल्ड स्टोरेज के शुभारंभ अवसर पर कहीं।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि हमारा प्रदेश कृषि उत्पादन तथा किसान कल्याण के स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है, हमारी सरकार ने किसानों की समृद्धि और उनके विकास के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है, जिसमें कृषि और किसानों के समग्र विकास और उनके कल्याण के लिए कार्य होगे। प्रदेश सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास को लेकर कार्य कर रही है, जिसमें किसानों को लाभ होगा। हमारा प्रदेश दाल उत्पादन में प्रथम, गेहूं और तिलहन उत्पादन में द्वितीय स्थान और सोयाबीन में 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। प्रदेश में 213 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 670 लाख मैट्रिक टन खाद्यान्न का उत्पादन हो रहा है। कृषि उत्पादन के लिए पानी की आवश्यकता होती है, 3 हजार करोड़ रुपये की लागत से नर्मदा शिप्रा लिंक योजना से लगभग 200 से अधिक गांवों में 64 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए जल मिलेगा।

एमपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने वेंकटेश अय्यर, इंदौर में होंगे टूर्नामेंट के मैच

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश क्रिकेट के सबसे बड़े रोमांच यानी आगामी एमपीएल 2026 के लिए इंदौर पिंक पैंथर्स ने अपनी रणनीतियों का खुलासा कर दिया है। टीम प्रबंधन ने भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें 12.50 लाख रुपये की रिकॉर्ड राशि पर रिटेन किया है।

विजयराजजी मसा की प्रेरणा एवं मणिप्रभाजी मसा की पावन निश्रा में 8 दिवसीय जैन संस्कार शिविर का हुआ समापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिन शासन गौरव, प्रज्ञानिधि आचार्य भगवंत श्री विजयराजजी म. सा. की पावन प्रेरणा एवं शासन विदुषी महासती श्री मणिप्रभाजी म. सा. की आदि ठाणा 8 की पावन निश्रा एवं सानिध्य में दिनांक 20 मार्च से 26 मार्च तक अष्ठ दिवसीय जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। कल शुक्रवार को नवकार भवन मंदसौर पर इस शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बालक व बालिका वर्ग में इस शिविर में शामिल हुए लगभग 90 शिविरार्थियों का सम्मान किया गया तथा शिविर में हुई गतिविधियों के अनुसार उन्हें अलग अलग ग्रुपों में चयनित कर उनका बहुमान किया गया।

शिविर के समापन अवसर पर सकल जैन समाज अध्यक्ष लोकेंद्र जैन गोटावाला, श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्रावक संघ मंदसौर अध्यक्ष विमल पामेचा, महामंत्रीगण शेखर कासमा, भूपेंद्र भंडारी, श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्रावक संघ राष्ट्रीय महामंत्री विरेन्द्र जैन सीए, युवा संघ अध्यक्ष विनोद मेहता (रतनश्री), महिला संघ अध्यक्ष किरण नलवाया, बहु मण्डल अध्यक्ष रेखा निर्विकार रातडिया, समाजसेविका प्रीति पामेचा भी मंचासीन थे। शिविर के समापन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए सभी अतिथियों ने सभी 90 शिविरार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं आकर्षक गिफ्ट देकर सम्मानित किया। शिविर समापन कार्यक्रम में हंस कुमार जैन नगरीवाला, दिनेश पटवा, अजय जैन गरोठवाला, संघ कोषाध्यक्ष हस्तीमल जैन (मुन्नाभाई), राजेश भटेवरा, मणीलाल पामेचा, निर्विकार रातड़िया (राष्ट्रीय मार्गदर्शक शांत क्रांति युवा संघ), विकास पामेचा, राजेन्द्र पामेचा, कांतिलाल राठडिया, सुरेन्द्र जरक, दिनेश जैन गरोठवाला, राकेश जैन कोचेटा, सुनील मेहता नीमच, सुरेश लोढा, अनोखीलाल नलवाया सहित बड़ी संख्या में श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्रावक संघ के श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

शिविर समापन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में श्रीसंघ अध्यक्ष विमल पामेचा ने कहा कि आचार्य श्री विजयराजजी के आशीर्वाद से साध्वी श्री मणिप्रभाजी म. सा. की पावन निश्रा में यह शिविर जो आयोजित हुआ वह ऐतिहासिक रहा। शिविर में मंदसौर ही नहीं अपितु नीमच, चित्तौड़गढ़ सहित पूरे मालवा मेवाड़ अंचल के बच्चों ने भागीदारी की। बालक व बालिका वर्ग में यह शिविर 8 दिन तक आयोजित हुआ। शिविर के आयोजन में शिविर संयोजक विकास जैन कोचेटा, शिविर संयोजिका अंजना कोचेटा का भरपूर सहयोग हा। शिविर के आयोजन में बच्चों के आवास, भोजन एवं स्वल्पाहार आदि व्यवस्था के लिये संघ के कई श्रावक श्राविकाओं ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। श्रीसंघ अध्यक्ष होने के नाते मैं सभी के प्रति आभारी हूँ। इस शिविर में आने वाले शिविरार्थियों ने मोबाइल, टी.वी. देखने का पूरा त्याग किया तथा प्रतिदिन सामायिक, प्रतिक्रमण आदि धार्मिक क्रियाये की। यहां जो विद्यार्थी सीखकर जा रहे है वे इन शिक्षाओं को आत्मसात करें तथा जीवन में जो भी व्यसन बुराईया है उनसे सदैव दूर रहे। शिविर में बालिका वर्ग ने भी बढ़चढ़कर भागीदारी की तथा पुरे 8 दिवस शिविर में रहकर बहुत कुछ सीखा। मैं सभी शिविरार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। कार्यक्रम का संचालन अजय जैन गरोठवाला ने किया। आभार संघ के राष्ट्रीय महामंत्री विरेन्द्र जैन सीए ने माना।

जब बीमार पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल का हाल जानने उनके घर पहुँचे विधायक दिलीप सिंह परिहार...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजनीति अपनी जगह है और इंसानियत अपनी जगह इस कहावत को नीमच के लोकप्रिय विधायक दिलीप सिंह परिहार ने एक बार फिर चरितार्थ कर दिखाया है। राजनीतिक वैचारिक मतभेदों को किनारे रख, आत्मीयता और शिष्टाचार की एक मिसाल पेश करते हुए विधायक परिहार धनेरिया कलां पहुँचे। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल पिछले कुछ समय से अस्वस्थ हैं और अपने निवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। जैसे ही विधायक दिलीप सिंह परिहार को उनके अस्वस्थ होने की सूचना मिली, वे बिना देर किए उनका कुशलक्षेम जानने उनके घर पहुँच गए।

इस मुलाकात के दौरान विधायक परिहार ने न केवल उनके स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी ली, बल्कि पुराने संस्मरणों को साझा करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना भी की। क्षेत्र के दो दिग्गज नेताओं के बीच का यह भावनात्मक मेल-मिलाप चर्चा का विषय बना हुआ है, जो यह संदेश देता है कि सार्वजनिक जीवन में वैचारिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों और मानवीय संवेदनाओं का स्थान सर्वोपरि है। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्य समिति सदस्य हेमंत हरित और पूर्व मण्डल अध्यक्ष दीपक नागदा भी उपस्थित रहे। सभी ने वरिष्ठ नेता नंदकिशोर पटेल के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की।

साखतली के बुजुर्ग किसान की हत्या, कारण अज्ञात, पूर्व में कलेक्ट्रेट में लगाई थी लोट

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत साखतली गांव के समीप शुक्रवार को एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। खेत से घर लौट रहे एक बुजुर्ग की अज्ञात हमलावरों ने पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी। घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम आक्या नई आबादी और बिलांत्री कच्चे रास्ते पर शुक्रवार सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला। प्रथम दृष्टया बुजुर्ग किसान की हत्या की घटना सामने आई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है वही फॉरेंसिक टीम ने भी परीक्षण शुरू किया है। मृतक बुजुर्ग की पहचान शंकर लाल पिता पूनमचंद पाटीदार साख़तली के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर खुद एसडीओपी दिनेश प्रजापति ने जाकर मौका मुआयना किया है। उधर, जानकारी के अनुसार बुजुर्ग शंकर लाल पूर्व में जमीन विवाद के मामले को लेकर मंदसौर कलेक्टर कार्यालय और सीतामऊ तहसील कार्यालय में लोट लगाकर न्याय की गुहार लगा चुका है। बुजुर्ग का आरोप था कि उसकी जमीन का किसी अन्य व्यक्ति ने फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कर ली है। उन्होंने मंदसौर कलेक्ट्रेट में पदस्थ किसी बाबू के बेटे पर यह आरोप लगाए थे। वही प्रशासन ने जांच कर रजिस्ट्री को सही बताया था, जबकि भूमि पर बुजुर्ग का ही सालों से कब्जा था, लेकिन फर्जी रजिस्ट्री और भूमि की चिंता को लेकर बुजुर्ग परेशान था और प्रशासन से लगातार न्याय की गुहार लगा रहा था। ऐसे में बुजुर्ग की हत्या होना कई तरह के सवाल खड़े कर रही है।

बदमाशों ने महिला को सम्मोहित किया, ले उड़े ढाई तौला वजनी सोने का मंगल सूत्र

मंदिर से लौटते समय बनाया निशाना, बालाजी के दर्शन का बनाया बहाना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के अफीम गोदाम रोड पर संस्कार गार्डन के समीप शुक्रवार सुबह एक बुजुर्ग महिला को बदमाशों की टीम ने निशाना बनाकर ढाई तोले का सोने का मंगलसूत्र उड़ा लिया। बदमाशों ने मंदिर से लौटते समय महिला को घेरा, उसके बाद घर की कुछ बातें हासिल कर भरोसे में लिया और बालाजी के दर्शन देने का बहाना बनाकर मंगलसूत्र उतरवाया। मंगलसूत्र को लोटे में रख महिला को आगे चलने को कहा, इतनी देर में बदमाश मंगलसूत्र सहित रफू चक्कर हो गए। बाद में महिला को पता चला कि उसको झांसे में लेकर ठग लिया गया है। बदमाशों ने महिला को अपनी बातों में उलझाने के लिए सम्मोहन क्रिया का भी सहारा लिया।

जानकारी के अनुसार शास्त्री कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय महिला पद्मावती पति रसिकबिहारी चौहान जाति राजपूत रोजाना की तरह अफीम गोदाम स्थित अमलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा के लिए गई थी।

वापस लौटते समय संस्कार गार्डन के सामने पहले से मौजूद बदमाशों ने बुजुर्ग महिला को अपने झांसे में लेना शुरू किया। एक बदमाश ने महिला से कहा कि वह अयोध्या से आया है, पानी पिला दीजिए। फिर एक बदमाश ने महिला से थोड़ी निजी जानकारी हासिल करी। इस तरह महिला को झांसे में लेकर बदमाशों ने कहा कि वह बालाजी के दर्शन करा देंगे। इसके लिए मंगलसूत्र उतारना पड़ेगा और मंगलसूत्र लोटे में रखना पड़ेगा। महिला के मना करने पर बदमाशों ने अपनी सम्मोहित प्रक्रिया जारी रखी। मौके पर मौजूद एक बदमाश ने पहले 81 कदम चलकर महिला को विश्वास दिलाया, उसने बताया कि बालाजी के दर्शन उसे हो गए।

इस तरह मंगलसूत्र लोटे में उतरवाने के बाद महिला को भी 81 कदम चलने को कहा, इस दौरान बदमाश मंगलसूत्र लेकर गायब हो गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर जाकर पड़ताल की और कैमरे भी चेक किए, लेकिन फिलहाल सफलता नहीं मिली है।

हालांकि प्रकरण दर्ज करने के बाद जांच डायरी एएसआई लक्ष्मण खराड़ी को दी गई है, जिन्होंने बताया कि विवेचना की जाएगी। मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पीएस राठौड़ का मोबाइल नॉट रिस्पॉन्डिंग रहा।

निशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर 29 मार्च रविवार को आयोजित किया जाएगा

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल सर्जन डॉ एम एस सागर ने बताया कि दिनांक 29 मार्च रविवार को निशुल्क कैंसर जांच उपचार एवं परामर्श शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय रतलाम के कक्ष क्रमांक 15 में प्रातः 9 ः00 बजे से 11ः00 बजे तक किया जाएगा। शिविर में सीनियर कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर दिनेश पेंढ़ारकर एवं राज्य कैंसर नोडल अधिकारी डॉक्टर सी एम त्रिपाठी , जिला नोडल अधिकारी डॉ गोपाल यादव द्वारा जांच एवं उपचार, परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएगी। शिविर में उपस्थित होकर निशुल्क जांच उपचार, परामर्श सेवाएं प्राप्त की जा सकती है।

सोनिया गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने को लेकर कांग्रेसजनों ने किया हनुमानजी चालीसा का पाठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जिनका स्वास्थ खराब होने पर दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। कांग्रेसजनों ने गुरुवार की शाम 7.30 बजे खेडापति बालाजी मंदिर कचनारा में सोनिया गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना को लेकर प्रदेश कांग्रेस सचिव परशुराम सिसौदिया, मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने साथियो के साथ खेडापति बालाजी मंदिर कचनारा में पूजा अर्चना व हनुमानजी चालीसा का पाठ किया। इस मौके पर बाबू भाई, नगर कांग्रेस अध्यक्ष द्वय किशोर उणियारा, सुभाष पाटीदार, मंडलम अध्यक्ष कैलाश बंगारिया, कन्हैयालाल गुर्जर, कन्हैयालाल पाटीदार सूपड़ा, किशोर टेलर, अनिल मूलासिया, राहुल अहीर, सुनील भगत, पवन पाटीदार, पर्वतसिंह बोराना, राजेन्द्रसिंह चंगेरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

विधायक सखलेचा बस देवी माता रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली हेतु कामना की

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली तहसील के ग्राम अंबा पंचायत के अधीन घने जंगल मे 12 गावो की कुल देवी महिषासुर मर्दिनी माँ बस देवी माता जी का भव्य चमत्कारी मंदिर है यंहा प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर 9 दिवसीय मैला आयोजित किया जाता है।

मैले के दौरान दूर दराज से भक्त श्रद्धालु आकर माता रानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करते है ।

नवरात्रि मेले के दौरान गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने देर रात माता रानी के दरबार में पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर, उन्होंने माता के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और सभी लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक सखलेचा ने बस देवी माता रानी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए 40 लाख की लागत का नव निर्मित सामुदायिक भवन का निरीक्षण भी किया मैला समिति की मांग पर विधायक सखलेचा ने वस देवी मंदिर प्रांगण तक नल जल चंबल परियोजना की पाइप लाइन एवं 25 केवी विधुत ट्रांसफार्मर को 100 केवी करवाने की मैला समिति के प्रस्ताव मांग को स्वीकृति प्रदान की इस अवसर पर मेला समिति के पदाधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री व विधायक ओमप्रकाश सखलेचा का भव्य स्वागत सत्कार एवं माता रानी की तस्वीर स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सिंगोली भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम मेघवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शंभुलाल धाकड़, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रशांत पालीवाल, ग्राम पंचायत अंबा सरपंच कमलेश कुमावत, परलाई सरपंच बाबूलाल धाकड़ , ताल सरपंच बबलू गुर्जर , पूर्व सरपंच रमेश मेघवंशी,भाजपा मंडल महामंत्री ओंकारलाल धाकड़,मैला समिति अध्यक्ष शंकरलाल धाकड़, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री धीरेंद्र सिंह शक्तावत मंचासीन रहे कार्यक्रम का संचालन पुष्पराज सिंह ने किया आभार सरपंच कमलेश कुमावत ने व्यक्त किया।

जिला मुख्यालय मंदसौर पर भूकंप आपदा प्रबंधन कार्यशाला का हुआ आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भूकंप पूर्व तैयारी एवं बचाव, सावधानी क्षमतावर्धन कार्यक्रम, के अन्तर्गत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में मंदसौर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड एवं एसडीईआरफ वीरेंद्र सिंह जादौन के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर के खेल परिसर में भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन, खोज एवं बचाव विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, इस कार्यशाला में भूकंप क्या होता है, कैसे होता है, इसके कारण क्या होते है, इससे होने वाली क्षति से कैसे बचा जा सकता है, क्या क्या सावधानी आम व्यक्ति को रखना चाहिए, इसके बारे में आपदा प्रबंधन मुख्य प्रशिक्षक एवं सिविल डिफेंस डिप्टी चीफ वार्डन, डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी द्वारा जानकारी प्रदाय की गई, प्लाटून कमांडर संदीप भंवर एवं रब्बी काजी के माध्यम से एसडीईआरएफ/होमगार्ड टीम के द्वारा बचाव उपकरणों की मदद से भूकंप के दौरान खोज एवं बचाव सहित सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी खिलाड़ियों के साथ सिविल डिफेंस टीम के माध्यम से एक बचाव मॉकड्रिल का भी अभ्यास किया गया, जिसमें खुले मैदान में किस तरह खुद को भूकंप आने की स्थिति में सुरक्षित रखा जाता है, यह सिखाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट स्कूल प्राचार्य रविंद्र दवे, जिला सिविल डिफेंस ब्लॉक वार्डन शक्ति सिंह शक्तावत, ईश्वरलाल बंजारा, खेल प्रशिक्षक रवि कोपरगांवकर, अंकुर त्रिपाठी एवं प्रशिक्षु खिलाड़ी उपस्थित रहे।

धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में दिए जा रहे हैं श्री वीर हनुमानजी यात्रा के निमंत्रण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री हनुमानजी जन्मोत्सव के पूर्व दिवस 01 अप्रैल को दोपहर 3ः00 बजे श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर से निकलने वाली श्री वीर हनुमानजी यात्रा का निमंत्रण देने समिति की टोलियां और किन्नर गुरु अनीता दीदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों धार्मिक आयोजनों और नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर रही हैं। इस क्रम में समिति के सदस्यों ने कुमावत समाज में श्री रामनवमी के चल समारोह के पश्चात नरसिंहपुरा स्थित धर्मशाला में आयोजित समाज के मिलन समारोह में पहुंचकर श्री वीर हनुमानजी यात्रा का मंगल ध्वज व निमंत्रण पत्र समाज के अध्यक्ष और वरिष्ठ जनों को भेंट किया। इसी प्रकार श्री पंच वसीठा धोबी समाज के भी सामाजिक कार्यक्रम में पशुपतिनाथजी मंदिर परिसर स्थित श्री राममंदिर में समाज प्रमुखों को श्री वीर हनुमानजी यात्रा का निमंत्रण व मंगल ध्वज भेंट किया।

स्टेशन क्षेत्र में चल रही श्री भागवत कथा में कथा व्यास पर आसीन श्री मैनपुरिया आश्रम के पूज्य संत श्री मणिमहेश चेतन जी महाराज को भी मंगल ध्वज भेंट कर निमंत्रण पत्र प्रदान किया गया। श्री तीन छतरी बालाजी मंदिर के पूज्य संत श्री राम किशोर दास जी महाराज श्री पशुपतिनाथजी मंदिर में पुजारी जी सहित अन्य धर्माचार्यों ओर कथा प्रवक्ताओं को भी मंगल ध्वज भेंटकर निमंत्रण पत्र प्रदान किया। जनकूपुरा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों ओर वार्ड क्रमांक 4 में मातृशक्ति दल की महिलाओं ने निमंत्रण पत्र और पीले चांवल भेंट किए और घर-घर पहुंचकर सह परिवार ईस्ट मित्रों सहित वीर हनुमानजी यात्रा में सम्मिलित होने का अनुरोध किया।

प्रणम्य सागर महाराज का 10 वर्षों के बाद होगा सिंगोली नगर आगमन पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के परम शिष्य एवं परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के आज्ञानुवृति शिष्य अर्हम योग प्रणेता परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर महाराज का सिंगोली नगर में 10 वर्षों के बाद दिनांक 29 मार्च 2026 को भव्य आगमन होने जा रहा है। जिसको लेकर संपूर्ण सिंगोली नगर में ही नहीं संपूर्ण मेवाड़ प्रांत में उत्साह का वातावरण है।

जानकारी देते हुए सरक्षक श्री पारस जैन हरसौरा अध्यक्ष भरत जैन महामंत्री पारस साकुनिया ने बताया कि परम पूज्य मुनि श्री का नगर आगमन नगर में एक उत्साह और खुशी का वातावरण उत्पन्न कर रहा है जिसको लेकर सिंगोली नगर ही नहीं संपूर्ण मेवाड़ प्रांत हर्षित है साथ ही राजस्थान से सटा हाडोती प्रदेश भी इसको लेकर काफी उत्साहित है। हमारा 10 वर्षों का इंतजार अब पूर्ण होने जा रहा है जो किसी साअतिशय पुण्य से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण मेवाड़ प्रांत एवं सिंगोली नगर 10 वर्षों से गुरुदेव की आगमन की बाट जो रहा था जो अब पूर्णता की ओर है। उनके आगमन को लेकर संपूर्ण सिंगोली नगर में एक उत्साह का वातावरण है संपूर्ण नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है जगह-जगह तोरण द्वार लगे हुए हैं एवं विशेष साथ ही विशेष सजावट की गई। गुरुदेव के आगमन को लेकर जैसा उत्साह इस बार देखा जा रहा है वह अपने आप में अभूतपूर्व है। नगर की तैयारी को देखकर ऐसा लगता है कि गुरुदेव का नगर आगमन बहुत ही ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम होने वाला है। संपूर्ण भारतवर्ष की निगाहें सिंगोली नगर पर टिकी हुई है।

जानकारी देते हुए सरक्षक श्री पारस जैन हरसौरा अध्यक्ष भरत जैन महामंत्री पारस साकुनिया ने बताया- बताया कि गुरुदेव का आगमन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए बनाई गई इंद्र नगरी से होगा यहां से गुरुदेव को नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए ले जाया जाएगा गुरुदेव की आगमन को लेकर जो शोभा यात्रा निकाली जा रही है वह बहुत ही अभूतपूर्व होगी जिसमें घोड़ी बग्गिया ढोल नगाड़े मस्के आकर्षण का केंद्र बिंदु रहेंगे पुरुष वर्ग एवं युवा वर्ग काफी उत्साह से लबरेज हैं और भक्ति नृत्य करते हुए चलेंगे निश्चित रूप से वह दृश्य बहुत ही पावन होगा जब गुरुदेव का आगमन होगा चारों ओर जैन धर्म की जय जयकार की गुंज सुनाई देगी आचार्य श्री की जय जय कर सुनाई देगी निश्चित रूप से जिन धर्म की ध्वजा अपने आप में पुलकित एवं शोभायमान होगी। जगह-जगह गुरुदेव का पाद प्रक्षालन किया जाएगा मंगल आरती की जाएगी एवं उनकी अगवानी की जाएगी इसी के साथ एक प्रमुख स्थान पर 50 से अधिक विशेष थाल में गुरुदेव का मंगल पद प्रक्षालन किया जाएगा जो आकर्षण का केंद्र बिंदु रहेगा।

सरक्षक श्री पारस जैन हरसौरा अध्यक्ष भरत जैन महामंत्री पारस साकुनिया ने बताया कि दिनांक 30 मार्च 2026 को श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव महावीर जयंती के रूप में मनाया जाएगा जो परम पूज्य मुनि श्री के सानिध्य में ही संपन्न होगा जिसको लेकर भी तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस भव्य महोत्सव में नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें समस्त सिंगोली समाज अपनी सहभागिता देगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि सिंगोली नगर में संपूर्ण सिंगोली नगर का स्नेह भोज आयोजित होगा जो एक एकता का पर्याय बनेगा इसी के साथ रात्रि बेला में भव्य भजन संध्या भी आयोजित की जाएगी।

आपको बता दें कि परम पूज्य मुनि श्री के सानिध्य में दिनांक 2 अप्रैल 2026 से नगर में भव्य एवम अभूतपूर्व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आहूत होगा जो अपने आप में अभूतपूर्व होगा जिस मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न होने जा रहा है उसकी प्रेरणा भी परम पूज्य गुरुदेव के द्वारा ही प्रदान की गई थी इस मंदिर के निर्माण की आधारशिला विगत 10 वर्ष पूर्व रखी गई थी जो अब पूर्णता की और है जिसको लेकर संपूर्ण सिंगोली नगर ही नहीं मेवाड़ प्रांत ही नहीं संपूर्ण हाडोती भी उत्साहित है।

पालसोडा मे जल मंदिर का शुभारंभ, रेतम नदी का पूजन कर दिया जल संरक्षण का संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नीमच जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड नीमच के सेक्टर नव अंकुर संस्था हेल्पिंग हैंड्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी नीमच के अंतर्गत ग्राम पालसोड़ा में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा बस स्टैंड पर जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया ।

कार्यक्रम के तहत जल शक्ति से नव भक्ति पहल अंतर्गत जिला समन्वयक वीरेंद्र सिंह ठाकुर,ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि रामनारायण गुड्डू जाट,नवांकुर संस्था सदस्य शिव शर्मा द्वारा विधिवत पूजन अर्चन कर फीता काटकर जल मंदिर (प्याऊ)का शुभारंभ किया । इस अवसर पर जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने हेतु रैतम नदी की पूजा -अर्चना की गई ।

इस अवसर पर जिला समन्वयक वीरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जा रहा है जिसका शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किया गया ।अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों की पूजन साफ सफाई,गहरी करण ,सामूहिक श्रमदान,रैली एवं संगोष्ठी के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।आगामी समय में अभियान के विभिन्न चरणों के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जिसमें जल संरक्षण के प्रति समाज में व्यापक जागरूकता विकसित होगी ।

ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि रामनारायण गुड्डू जाट ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है ऐसे मे जल स्त्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है ।जल मंदिर जैसी पहल समाज में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।और ऐसे सामाजिक कार्य के लिए ग्राम पंचायत हमेशा सहयोग के लिए तत्पर हैं ।शिव शर्मा ने जल संरक्षण पर संस्था द्वारा किए गए कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया ।इस अवसर पर प्रस्फुट समीती अध्यक्ष समरथ सेन,सचिव सत्यनारायण राठौर,संस्था सचिव विश्वास खंडेलवाल,सदस्य रवि खंडेलवाल,मदन लाल राठौर, मदनलाल पाटीदार,मोडीराम राठौर,बाबूलाल शर्मा,ख्यालीराम बगावत,मोहनलाल जाटव,रमेश प्रधान,परशुराम जाटव,गोविंद राठौर,गोपाल साहू,कैलाश लोहार,सहित ग्रामीण सभी मेंटर /छात्र एवं समिति सदस्य उपस्थित थे।

2792 बालिकाओं को एचपीवी का वैक्सीनेशन किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संध्या बेलसरे ने बताया कि रतलाम जिले में अब तक 2792 बालिकाओं को एचपीवी का वैक्सीनेशन किया जाकर सर्वाइकल कैंसर से प्रतिरक्षित किया गया है।

शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को निशुल्क एचपीवी का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इस वैक्सीन के माध्यम से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए प्रतिरक्षित किया जा रहा है। वैक्सीन पूरी तरह कारगर और सुरक्षित है। एचपीवी वैक्सीनेशन रतलाम जिले के मेडिकल कॉलेज, बाल चिकित्सालय , सिविल अस्पताल जावरा , सिविल हॉस्पिटल आलोट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नामली , सैलाना बाजना, ताल, पिपलोदा केंद्रों पर वैक्सीनेशन किया जा रहा है। वैक्सीनेशन की सुविधा शनिवार ,रविवार एवं अवकाश के दिनों में भी सहजता से उपलब्ध है।

सम्पादकीय

साहित्यिक आयोजनों में जुगलबंदी का जाल

भारतीय साहित्यिक परिदृश्य सदैव से विविधता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक रहा है। यह वह क्षेत्र है जहाँ शब्द केवल रचना नहीं होते, बल्कि समाज के अनुभव, संघर्ष, संवेदनाएँ और परिवर्तन की आकांक्षाएँ भी अभिव्यक्त करते हैं। परंतु वर्तमान समय में साहित्यिक आयोजनों–विशेषकर सरकारी अकादमियों, संस्थानों, फाउंडेशनों और मंत्रालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों–को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है- क्या ये मंच वास्तव में प्रतिभा और सृजनशीलता के आधार पर संचालित हो रहे हैं, या फिर 'जुगलबंदी' और 'नेटवर्किंग' ही इनके वास्तविक निर्धारक बन चुके हैं?

आज यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि इन आयोजनों में भागीदारी का अवसर उन्हीं लोगों को मिलता है, जिनकी आयोजकों, चयनकर्ताओं या संबंधित पदाधिकारियों से निकटता होती है। यह निकटता कई रूपों में सामने आती है–व्यक्तिगत संबंध, वैचारिक समानता, संस्थागत जुड़ाव या वर्षों से बनी आपसी 'समझदारी'। परिणामस्वरूप, एक सीमित समूह बार-बार मंचों पर दिखाई देता है, जबकि बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और समर्पित रचनाकार अवसरों से वंचित रह जाते हैं।

यह स्थिति केवल एक प्रशासनिक विसंगति नहीं, बल्कि साहित्य के मूल स्वभाव के विपरीत है। साहित्य का उद्देश्य ही है–समाज के विविध अनुभवों को स्थान देना, नए स्वरों को पहचानना और अभिव्यक्ति के नए आयामों को प्रोत्साहित करना। जब मंच सीमित लोगों तक सिमट जाते हैं, तो साहित्य की यह व्यापकता संकुचित होने लगती है। यह एक प्रकार का 'सांस्कृतिक केंद्रीकरण' है, जहाँ अवसर और मान्यता कुछ हाथों में केंद्रित हो जाते हैं।

नई पीढ़ी के लेखकों और रचनाकारों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से निराशाजनक है। आज का युवा लेखक अपनी रचनात्मकता के बल पर आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन जब उसे यह महसूस होता है कि मंच तक पहुँचने के लिए 'सही लोगों' से संपर्क होना अधिक आवश्यक है, तो उसका उत्साह क्षीण होने लगता है। यह न केवल उसकी व्यक्तिगत यात्रा को प्रभावित करता है, बल्कि साहित्यिक परंपरा की निरंतरता को भी बाधित करता है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रवृत्ति साहित्यिक विमर्श की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। जब एक ही समूह के लोग बार-बार मंचों पर उपस्थित होते हैं, तो विचारों में विविधता घट जाती है। नए दृष्टिकोण, नए अनुभव और नई भाषिक शैलियाँ सामने नहीं आ पातीं। परिणामस्वरूप, साहित्य में एक प्रकार का ठहराव आ जाता है और वह समाज के बदलते स्वरूप को पूर्णतः प्रतिबिंबित नहीं कर पाता।

यह समस्या केवल साहित्य तक सीमित नहीं है; कला, संस्कृति और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी 'नेटवर्किंग' और 'जुगलबंदी' की यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। परंतु साहित्य जैसे संवेदनशील और वैचारिक क्षेत्र में इसका प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि यहाँ केवल अवसर ही नहीं, बल्कि विचारों की दिशा भी प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह कहना भी एकतरफा होगा कि सभी संस्थान और आयोजन इसी प्रवृत्ति से ग्रस्त हैं। कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहाँ आयोजकों ने पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी है। खुले आमंत्रण (ओपन कॉल), स्पष्ट चयन प्रक्रिया और नए रचनाकारों को मंच देने की पहल–ये सभी सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन ऐसे प्रयास अभी भी व्यापक प्रवृत्ति का रूप नहीं ले सके हैं।

समाधान की दिशा में सबसे पहला और आवश्यक कदम है–पारदर्शिता। आयोजनों में भागीदारी के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक मानदंड निर्धारित किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया में विविधता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी एक समूह या विचारधारा का वर्चस्व स्थापित न हो। निर्णायक मंडल में विभिन्न पृष्ठभूमियों के विशेषज्ञों को शामिल करना इस दिशा में एक प्रभावी कदम हो सकता है।

व्यवहार में संतुलन और असंतुलन को? समझने की कला है सहज योग

अपने दैनिक जीवन को जीते हुये हम लगातार अपने आसपास के परिवेश व विपरित परिस्थितियों के वशीभूत हो कई अलग-अलग तरह से प्रभावित होते रहते हैं- भावनात्मक रूप से, मानसिक रूप से और कुछ मामलों में शारीरिक रूप से भी। यह उथल-पुथल अकसर तनाव या शारीरिक बीमारियों का कारण बन जाती है। क्रोध, अवसाद, चिड़चिड़ापन व निराशा इसके लक्षण? हैं। इनसे कई व्यावहारिक और शारीरिक समस्याएं भी होने लगती हैं। नींद, भूख, और ऊर्जा में कमी होने के साथ-साथ ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है। रोज़मर्रा के बर्ताव या आत्म-सम्मान की भी कमी दिखती है। गहन अवसाद की स्थिति में आत्महत्या के विचार भी आ सकते हैं।

व्यवहार में संतुलन और असंतुलन की पहचान करना और असंतुलन से उबरना सीखना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सहज योग ध्यान की तकनीक से हम हमारे सूक्ष्म शरीर के तीनों चैनलों की, जिनका संबंध हमारे संतुलन और असंतुलन से है, उनका परिचय, उनके महत्व आदि का विस्तार से वर्णन व उसकी सीमाएं बड़ी आसानी से सीख लेते हैं। यही है सहज योग ध्यान का प्रमुख ज्ञान। इस ध्यान के अभ्यास का भी सीधा असर हर मान?व शरीर पर पड़ता है।

मानव तंत्रिका तंत्र को तीन भागों में बांटा गया है- ईड़ा, पिंगला व सुषुम्ना नाड़ी।

बाईं ओर की नाड़ी ईडा नाड़ी है। सूक्ष्म शरीर में इस नाड़ी को लेफ्ट सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम कहते हैं। जब हम अपने भूतकाल का ज्यादा विचार करते हैं, भूतकाल के बीती बातों को सोचते रहते हैं, भूतकाल के किसी बात को लेकर अपराध बोध से ग्रस्त? रहते हैं, तब हमारी बाईं नाड़ी या लेफ्ट सिम्पैथेटिक चैनल असंतुलित हो जाती है। ऐसे लोग अवसाद ग्रसित, डरे हुये और चिंतित होते हैं। ऐसे लोग हर समय दूसरों से बहुत ज्यादा उम्मीद रखते हैं और इन उम्मीदों के पूरा ना होने पर निराश हो जाते हैं। ऐसे लोग मिलनसार नहीं होते हैं और? किसी भी चीज का आनंद नहीं ले सकते हैं। परिणामस्वरूप इसका दुष्प्रभाव उनके नौकरीपेशे पर भी पड़ता है। इसका सीधा असर उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है और वे मानसिक विकार, माइग्रेन, दौरे(फिट्स), अवसाद और कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं।

सहज योग ध्यान के माध्यम से जब ईड़ा नाड़ी संतुलित होती है, हम आसपास की नकारात्मकता के बीच भी सकारात्मकता प्राप्त करने में सक्षम हो जाते हैं। बाईं नाड़ी यानि ईडा नाड़ी से »इच्छा शक्ति» मिलती है। यह इच्छाशक्ति ही है जो सुखद जीवन के लिए हमें प्रेरित करती है। ईड़ा नाड़ी के संतुलित होने पर अनावश्यक इच्छा हमपर हावी नहीं होती और हमारी पिंगला नाडी पर भी बोझ नहीं पड़ता और वो भी संतुलित रहती है। ईड़ा नाडी को संतुलित करने के लिए हम धरती माता से प्रार्थना करते हैं और अविश्वसनीय तरीके से हमारी नकारात्मकता धरा तत्व में विलिन होने लगती है।

ईड़ा नाड़ी को संतुलित कर हम पिंगला नाडी को भी संतुलित करते हैं ताकि हम बेकार की योजना बनाते हुये समय बर्बाद करने की जगह सहजता से प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकें। पिंगला नाड़ी को संतुलित करने में आकाश? से हमारी सहायता होती है।

अस्थिरता बढ़ने का अंदेशा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है और अभी इस पर विराम लगने के कोई आसार भी नहीं दिखते। देखा जाए तो यह युद्ध पश्चिम एशिया में किसी सामान्य सैन्य टकराव के बजाय, दबाव और कूटनीति की चिरपरिचित जुगलबंदी को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के प्रति ये तौर-तरीके आजमाता आया है। यह युद्ध उन्हीं का विस्तार दिखता है। बड़ी-बड़ी घोषणाओं को लेकर खास पहचान बना चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैसे तो समग्र समाधान के संकेत दिए हैं, लेकिन यह भी सच है कि युद्ध को लेकर रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं।

इस धुंधलके में युद्ध की मंशा और परिणाम, दोनों अस्पष्ट हैं। अमेरिका ने ईरान के समक्ष कुछ बिंदुओं को लेकर पहले से ही दबाव बनाया हुआ था। जैसे यूरेनियम संवर्धन पर रोक के साथ ही समूचे परमाणु कार्यक्रम पर विराम और अपने पोषित छद्म संगठनों के ढांचे को ध्वस्त करना। ये ऐसी शर्तें थीं, जिन पर ईरान कभी सहमत नहीं होता। इसके बाद युद्ध का विकल्प ही शेष था, जिसकी पहल इजरायल ने की और अमेरिका ने समर्थन किया।

यह एक पारंपरिक उकसावे वाले क्रम को ही रेखांकित करता है, जिसमें पहले कूटनीति को अल्टीमेटम के रूप में पेश किया जाता है और फिर उसी को सैन्य कार्रवाई का आधार बनाया जाता है। दूसरी ओर, ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा को तो खारिज किया है, पर क्षेत्र में अपनी भूमिका को विस्तार देने की उसकी महत्वाकांक्षाएं और निरंतर बढ़ती क्षमताएं कुछ संदेह पैदा करने वाली भी रहीं।

युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितता में ट्रंप के तेवर भी बदलते दिख रहे हैं। ट्रंप ने 23 मार्च को एलान किया कि ईरान के साथ 'बहुत अच्छी और उत्पादक बातचीत' हुई। इससे पहले उन्होंने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले के लिए एक अल्टीमेटम दिया था और फिर उक्त बातचीत का हवाला देकर उसे पांच दिनों के लिए टालने की बात भी कही। हालांकि ईरान ने ट्रंप की वार्ता के इस दांव को नकारने में देर नहीं की। ईरान अमेरिका के 15 सूत्रीय एजेंडे को खारिज भी कर चुका है और अपनी पांच स्पष्ट मांगें भी सामने रख चुका है। इस सिलसिले का चाहे जो नतीजा निकले, पर अमेरिका ने बार-बार यही दोहराया है कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। यह दोहराव कूटनीति को एक निश्चित उद्देश्य के साथ जोड़ देता है। इस सबके बीच इन वार्ताओं के इर्दगिर्द बन रहा माहौल भी एक उल्लेखनीय पहलू है। जैसे पाकिस्तान के एक मध्यस्थ के रूप में सामने आने की अटकलें और ईरानी संसद के स्पीकर से लेकर ट्रंप के विशेष प्रतिनिधियों के बीच इस्लामाबाद में संभावित बैठक।

पता नहीं इसमें कितनी सच्चाई है, पर यह तो तय है कि कूटनीतिक विकल्पों की संभावनाएं तलाशी जरूर जा रही हैं। इसमें सभी खेमों की बयानबाजी दबाव बनाने और उसकी काट के रूप में ही देखी जा सकती है। मौजूदा परिदृश्य ट्रंप की चिरपरिचित शैली से मेल खाता है, जिसमें वे अधिकतम दबाव के जरिये सौदेबाजी को प्राथमिकता देते हैं। दबाव की इसी रणनीति के तहत ईरान को लंबे समय से अस्थिरता फैलाने वाले देश के रूप में पेश किया जाता रहा है। खासतौर से उसकी परमाणु क्षमताओं और उसके रूप में इजरायल के अस्तित्व पर सदा मंडराते खतरे को। इस आख्यान में सैन्य कार्रवाई रक्षात्मक एवं आक्रामक, दोनों कसौटियों पर खरी बताई जाती है। एक तो ईरान को दंडित करना और दूसरा उसकी क्षमताओं को इतना कुंद कर देना कि उसके पास बातचीत के अलावा और कोई विकल्प शेष ही न बचे। इसके बाद किसी संभावित समझौते को सदाशयता के रूप में चित्रित किया जाता है, पर इसमें ईरान के लिए विकल्प नहीं बचते।

किसी संभावित वार्ता में यदि समृद्ध यूरेनियम को हटाने का मुद्दा आता है तो संप्रभुता का सवाल भी आड़े आएगा। इस पर भी सवाल उठेंगे कि क्या ऐसा किया जाना संभव भी होगा। लगता नहीं कि तेहरान में इस पर सहमति बन पाएगी। ईरान द्वारा औपचारिक वार्ताओं से साफ इन्कार संदेह और तनाव दोनों को उजागर करता है। वार्ता को लेकर इजरायल को यह डर सता रहा है कि तनाव घटने से उन उपलब्धियों का महत्व भी घट जाएगा, जिन्हें बड़ी कठिनाई से हासिल किया गया है।

यदि ऐसा कोई ढांचा अस्तित्व में आता है तो यकीनन उसके दूरगामी प्रभाव होंगे। इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पूरी तरह पर्दा पड़ने के साथ ही उसके छद्म संगठनों पर लगाम लग जाएगी। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आ सकता है। होर्मुज जलमार्ग के खुलने होने से ऊर्जा बाजार में स्थिरता आ सकती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को कुछ राहत की सांस मिलेगी। वाशिंगटन के लिए भी यह लंबे सैन्य हस्तक्षेप के बोझ से मुक्ति के साथ ही अपने लक्ष्य पूर्ति का पड़ाव बन जाएगा। परमाणु अप्रसार को लेकर उसकी विश्वसनीयता और प्रयासों को प्रतिष्ठा मिलेगी। इसके अपने जोखिम भी हैं। ईरान की अपनी एक विशिष्ट रणनीतिक संस्कृति है। दबाव के बीच भी दृढ़ता इस संस्कृति की विशेषता है। अगर उसे ऐसा लगता है कि किसी भी तरह का संघर्ष विराम अस्थायी एवं रणनीतिक है तो बातचीत बिगड़ सकती है।

इसका नतीजा प्रमुख ऊर्जा ठिकानों पर हमले के रूप में सामने आ सकता है। इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी और ऊर्जा संसाधनों की कीमतों का रुख परेशानी बढ़ाएगा। अगर रणनीतिक बढ़त को लेकर अमेरिका एवं इजरायल के बीच असहमति बढ़ती है तो उनके समीकरण भी बदलेंगे। अब जो परिदृश्य आकार ले रहा है, वह शांति के बजाय यही दर्शाता है कि आने वाले दिनों में संघर्ष अन्य स्वरूपों में जारी रहेगा। तमाम तरह के कूटनीतिक प्रस्तावों के जरिये ट्रंप सामरिक मोर्चे पर मिली बढ़त को कूटनीतिक परिणामों में बदलने का प्रयास कर रहे हैं। क्या बातचीत की ऐसी पेशकश पश्चिम एशिया से जुड़े सभी समीकरणों को नए सिरे से तय करने का काम करेगी या यह फिर यह एक अस्थायी विराम होगा? इसकी नियति केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि इरादों से तय होगी, जिसमें भरोसे की बड़ी अहमियत होने वाली है।

-धनंजय राजौरा

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्योंज़? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी 'समय' नहीं था अथवा यह 'सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार' था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए। वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें 'अपडेट' देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रूबरू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है।

- डॉ सत्यवान सौरभ

उर्वरक पर नियंत्रण, किसान पर भरोसा: क्या संतुलन बन पाएगा?

खेत की मिट्टी अब केवल अन्न नहीं उगाती, वह उम्मीदों और व्यवस्थाओं की परीक्षा भी लेती है। इसी मिट्टी पर खड़े भारत के करोड़ों किसानों के सामने आज एक नया प्रयोग रखा गया है–किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति का डिजिटल तंत्र। यह पहल किसी साधारण योजना की तरह नहीं, बल्कि उस जटिल समस्या का समाधान बनने का दावा करती है, जिसने वर्षों से खेती को भीतर ही भीतर खोखला किया है–सब्सिडी का रिसाव, खाद की कालाबाजारी और असली किसान तक संसाधनों की अधूरी पहुंच। सवाल यह नहीं कि योजना कितनी भव्य है, बल्कि यह है कि क्या यह वास्तव में खेत की मेड़ तक न्याय पहुँचा पाएगी, या फिर फाइलों की चमक में ही सिमट जाएगी।

सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट और महत्वाकांक्षी है–हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देकर उसे सीधे लाभ से जोड़ना। यह किसान आईडी भूमि रिकॉर्ड, आधार और पारिवारिक विवरण से जुड़कर एक समग्र डेटाबेस तैयार करती है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उर्वरक जैसी महत्वपूर्ण वस्तुएं सही व्यक्ति तक ही पहुंचे। हर साल उर्वरक सब्सिडी पर होने वाला भारी खर्च, जो कई बार गलत हाथों में चला जाता था, अब एक नियंत्रित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा। यह व्यवस्था केवल वितरण को नहीं सुधारती, बल्कि एक ऐसी निगरानी प्रणाली भी बनाती है, जिसमें हर लेन-देन का हिसाब दर्ज रहेगा।

व्यवहारिक स्तर पर देखें तो यह प्रणाली तकनीक और कृषि का अनोखा संगम प्रस्तुत करती है। पॉइंट ऑफ सेल मशीनों के जरिए आधार प्रमाणीकरण के बाद ही खाद की खरीद संभव होगी, जिससे फर्जी खरीद पर रोक लगेगी। प्रति हेक्टेयर उर्वरक की तय सीमा न केवल संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देगी, बल्कि मिट्टी की सेहत को भी सुरक्षित रखेगी। साथ ही, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के विस्तार से किसान को यह स्वतंत्रता मिलेगी कि वह अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का चयन करे। यह बदलाव केवल प्रक्रिया में नहीं, बल्कि सोच में भी परिवर्तन का संकेत देता है। इस पहल के संभावित लाभ निस्संदेह प्रभावशाली हैं। छोटे और सीमांत किसान, जो अक्सर बिचौलियों के शोषण का शिकार होते रहे हैं, अब सीधे लाभ के दायरे में आएंगे। उर्वरकों की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, जिससे बाजार में स्थिरता आएगी। एक ही आईडी के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से प्रशासनिक जटिलता कम होगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान को अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा–वह अपनी भूमि, फसल और लाभ की पूरी जानकारी एक ही मंच पर देख सकेगा। यह डिजिटल सशक्तिकरण का वह रूप है, जो किसान को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बनाता है।

किन्तु हर उजाले के साथ कुछ छायाएं भी होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। कई किसान स्मार्टफोन, इंटरनेट या तकनीकी प्रक्रियाओं से परिचित नहीं हैं, जिससे वे इस प्रणाली में सहजता से शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, बटाईदार और किराएदार किसान, जिनके पास जमीन का औपचारिक रिकॉर्ड नहीं होता, इस व्यवस्था से बाहर रह सकते हैं। यदि तकनीकी त्रुटियां, सर्वर समस्याएं या डेटा में गड़बड़ी सामने आती हैं, तो इसका सीधा असर खेती की प्रक्रिया पर पड़ सकता है।

किसान के दृष्टिकोण से यह पहल एक अवसर भी है और आशंका भी। जहां एक ओर उसे सही मात्रा में उर्वरक मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर सख्त नियमों के कारण लचीलापन कम होने का डर भी है। बड़े किसानों के लिए यह व्यवस्था कुछ हद तक प्रतिबंधात्मक हो सकती है, लेकिन छोटे किसानों के लिए यह एक सुरक्षा कवच बन सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन में वृद्धि और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार संभव है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। परंतु यदि आईडी बनाने या उसे सक्रिय करने में देरी हुई, तो किसान के सामने तत्काल संकट खड़ा हो सकता है। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। उर्वरक उत्पादन और आपूर्ति पर अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे भारत जैसे देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में यदि देश के भीतर वितरण प्रणाली मजबूत और पारदर्शी हो जाए, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव है। किसान आईडी इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान कर सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को स्थिरता मिले और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती।

किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति की यह पहल एक विचार से अधिक, एक परीक्षा है–नीतियों की, क्रियान्वयन की और सबसे बढ़कर, विश्वास की। यदि सरकार डिजिटल अंतर को पाटने, हर वर्ग के किसान को शामिल करने और जमीनी स्तर पर सहायता सुनिश्चित करने में सफल होती है, तो यह पहल कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला सकती है। लेकिन यदि यह केवल आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित रह गई, तो यह भी उन योजनाओं की सूची में शामिल हो जाएगी, जो शुरू तो बड़े वादों के साथ हुईं, पर अंत में किसानों की उम्मीदों को अधूरा छोड़ गईं। अब निर्णय खेत की मिट्टी करेगी–कि यह बदलाव वास्तविक है या सिर्फ एक और प्रयोग।

-प्रो. आरके जैन

राम भाव में ही है मनुष्यता का भविष्य

शाश्वत मूल्य बोध के विग्रह स्वरूप श्रीराम भारतीय संस्कृति के एक ऐसे लोक-विश्रुत मानवीय उत्कर्ष हैं जो पढ़े-लिखे और अनपढ़ समाज के हर वर्ग के लिए युगों-युगों से प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। साहित्य जगत ने राम-कथा में कल्पना और रस का अजस्र स्रोत ढूंढ़ा है और अनगिनत कवियों और लेखकों ने अपने सृजन का आधार बनाया। साहित्य की इस परंपरा का स्पष्ट संदेश है कि पृथ्वी पर श्रीराम का आविर्भाव और अवतरण मात्र लोक कल्याण के हित हुआ। उन्हें अयोध्या के राजा के पुत्र दशरथनंदन के व्याज से मानुष भाव में प्रतिष्ठित करते हुए भारतीय मनीषा मनुष्यता की चुनौतियों, उसके द्वंद्वों, संघर्षों और उपलब्धियों से परिचित कराते हैं।

वाल्मीकि रामायण की प्राचीनता भी इस तथ्य की पुष्टि करती है। उसमें वर्णित श्रीराम की विलक्षण गाथा मनुष्य द्वारा सत्य के चरम साक्षात्कार करते रहने के लिए निर्मम आह्वान करती है। यह अलौकिक गाथा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि कदाचित मनुष्य जीवन की यह एक अनिवार्य विडंबना है कि उसमें ऊपर उठने और नीचे गिरने, दोनों तरह की प्रवृत्तियां सहज संभव हैं। जीवन में दिन और रात की तरह उत्कर्ष और अपकर्ष दोनों की उपस्थिति स्वाभाविक है। इनके बीच संतरण के लिए धर्म के अनुकूल कर्तव्य पालन ही एकमात्र साधन उपलब्ध है। यही वह रसायन या प्रौद्योगिकी है, जो जीवन में अनुभव की जाने वाली सीमाओं को संभावनाओं में बदल देती है।

श्रीराम का पूरा जीवन ही विभिन्न भूमिकाओं के आपसी द्वंद्वों और उससे जुड़ी तरह-तरह की चिंताओं से भरा हुआ है। पुत्र, शिष्य, पति, भाई, युवा, मित्र, योद्धा और राजा आदि विभिन्न रूपों में श्रीराम लगातार एक से बढ़कर एक चुनौती का सामना करते हैं। उन्हें लगातार पीड़ा सहनी पड़ती है और दुख उठाने पड़ते हैं। एक प्रतापी राजा के युवराज होने पर भी उनके धैर्य की परीक्षा कदम-कदम पर जीवन भर निरंतर ली जाती रही। लंकापति रावण के रूप में उनके सम्मुख चरम जटिलता वाली चुनौती उपस्थित होती है। ज्ञानी और समृद्ध राजा होकर भी धर्म का विरोध करने की दुर्बुद्धि रावण को श्रीराम का शत्रु बना देती है। वह शौर्य में अद्वितीय था, फिर भी उसे धर्मविरुद्ध आचरण करने में किसी तरह की शंका नहीं होती। परिणामस्वरूप उसकी स्वर्णपुरी विनष्ट हो गई।

जीवन में आने वाले संघर्षों के समाधान के लिए श्रीराम एक नीतिज्ञ के रूप में अपनी दैहिक, दैविक और भौतिक सभी तरह की शक्तियों को संयोजित करते हैं। वे नर हों या वानर, सबका सहयोग लेते हैं और धर्म की रक्षा करने का जतन करते हैं। वे स्वयं मर्यादा का निर्वाह करते हैं और उसके उल्लंघन को दंडित करना उनकी नीति है। श्रीराम के धर्म की गत्यात्मकता ही उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण है। तभी भारत के साथ कंबोडिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे कई देशों में श्रीराम लोकप्रिय हुए। वे जन-स्मृति का हिस्सा बनते गए और उनकी कथा सबके मानस में गहरे उतरती गई।

इसका प्रमाण है अनेकानेक भाषाओं में राम-कथा का निरंतर लेखन, अंकन, मंचन और गायन। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के लोकार्पण के बाद कुछ ही समय में करोड़ों भक्तों के आगमन और उनके दर्शन-लाभ लेने से श्रीराम की भारतीय मानस में उकेरी दिव्य छवि की पुष्टि हुई है। रामायण आज भारत की हर भाषा में है और सबने हृदय से उसे अपनाया, पर उसे आत्मसात करते हुए क्षेत्र विशेष की परंपराओं के अनुसार राम कथा के कथानक और आख्यानों में भी बदलाव आया। यह स्वाभाविक भी था, क्योंकि राम अपने हैं और अपना अपनों जैसा ही होना चाहिए। अवधी में रचित गोस्वामी तुलसीदास जी का 'रामचरितमानस' पिछली पांच सदियों से लोक जीवन में प्रतिष्ठित है।

आज के परिवेश में श्रीराम का स्मरण हमें अपने स्वभाव और कर्म पर विचार करने को उद्यत करता है। आज विश्व में युद्ध, आतंक और हिंसा की तीव्र और ऊंची लहरें सतत उठ रही हैं। इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के तात्कालिक कारण अक्सर बदले की भावना और उससे उपजती फौरी कारवाई होती है, परंतु अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और लिप्सा सबको लीलती जा रही है। अनियंत्रित लोभ इनके लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाते हैं। इसके पीछे आज की बदलती जीवन दृष्टि ही जिम्मेदार प्रतीत होती है। धर्म और अधर्म से परे अपनी शक्ति और प्रभाव को बढ़ाने और बढ़ाते रहना ही आज के विश्व में प्रिय हो रहा है, पर इसके दुष्परिणाम सर्वत्र दिख रहे हैं।

मनुष्य जीवन तो दूभर हो ही रहा है, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रदूषित और क्षतिग्रस्त हो रहा है। एक युद्ध चार वर्षों से चल रहा है। एक दूसरा जारी है, जो सबको अपनी चपेट में ले रहा है। आज धरती पर जीवन के सामने चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। बड़े, धनी और राजनीतिक प्रभाव वाले देश नियमों, कानूनों और मानवीय मूल्यों को धता बताते हुए दूसरे देशों पर अधिकार जमाने के लिए अपने को स्वतंत्र समझते हैं। निराशाजनक यह कि संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन निष्प्रभावी दिख रहे हैं।

संसार में धर्म ही सार है। श्रीराम का धर्म-भाव आदर्श, मर्यादा, धैर्य, सहनशीलता, त्याग, समानता, प्रेम, विनम्रता और क्षमा के आचरण में प्रकट होता है। इस राम भाव को आत्मसात करने में ही मनुष्यता का भविष्य छिपा है। आइए हम सब इसके माध्यम बनें।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

आलोचना की आदत

इस पर आश्चर्य नहीं कि पश्चिम एशिया संकट पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद भी विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस को यही दिख रहा है कि अमेरिका-इजरायल एवं ईरान के बीच छिड़े युद्ध पर भारत सरकार की कूटनीति विफल है। इस युद्ध के पहले दिन से ही कांग्रेस भारत सरकार को कोस रही है। वह ऐसा दिखा रही है, जैसे इस युद्ध में भारत की कोई भूमिका है अथवा उसकी कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी है। सब जानते हैं कि भारत का इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं, पर कांग्रेस नेता इसे समझने को तैयार नहीं। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि वे यह चाह रहे हैं कि पश्चिम एशिया संकट के मामले में भारत सरकार को उनके कहे के अनुसार ही चलना चाहिए, पर उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि इस युद्ध के कारण जो ऊर्जा संकट पैदा हुआ है, उसका समाधान कैसे किया जाना चाहिए? इससे इन्कार नहीं कि विश्वव्यापी ऊर्जा संकट का असर देश पर भी पड़ रहा है और कहीं-कहीं गैस की किल्लत भी देखने को मिल रही है, लेकिन भारत के मुकाबले कई देशों की स्थिति कहीं अधिक गंभीर है। कांग्रेस इसे समझने के बजाय यह माहौल बना रही है कि प्रधानमंत्री की किसी गलती से देश में गैस की भारी किल्लत पैदा हो गई है और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। यह केवल घोर नकारात्मकता ही नहीं, किसी भी मसले और यहां तक कि विदेश नीति पर भी एकजुटता का परिचय न देने की जिद ही है। लगता है कि कांग्रेस के शब्दकोश में रचनात्मक सहयोग जैसा कोई शब्द ही नहीं और वह यह भी भूल चुकी है कि विपक्ष का काम सकारात्मक सुझाव देना भी होता है। कांग्रेस यह देखने को तैयार नहीं कि भारत सरकार ऊर्जा संकट को गहराने न देने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर सामूहिक अनुष्ठानों की पूर्णाहूति

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजयनगर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 19 से 27 मार्च तक चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर सामूहिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया ।

गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि 27 मार्च रामनवमी को प्रातः 09 बजे से श्रीवेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरूदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी, वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं देवआव्हान व देवपूजन कर पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत हुई जिसमें दीक्षा, अन्नप्रासन, यज्ञोपवित सहित विभिन्न संस्कार हुए । प्रातः 11.30 बजे अनुष्ठान व गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई पश्चात भगवान श्रीरामजी का जन्मोत्सव मनाकर महाप्रसाद का वितरण किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ परिजन सुभाष जैन ने भगवान श्रीराम के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए मातृ जन्म शताब्दी के बारे में विस्तार से बताया । इस अवसर पर भारतसिंह बनाफर, कांतिलाल पटेल, शिवनारायण सोलंकी, कैलाशसिंह ठाकुर, विक्रमसिंह राजपूत, गणेशचन्द्र व्यास, देवकरण कुमावत, मुनीश नामदेव, महेन्द्र राठौर सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिजन उपस्थित थे । उपस्थित परिजनों ने महाप्रसाद का लाभ लिया । महायज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याओं ने किया एवं संस्कारों का संचालन रामनिवास कुशवाह ने किया तथा अन्त में आभार जिला समन्वयक बी. एल. खंडेलवाल ने माना ।

इसी प्रकार गायत्री प्रज्ञापीठ विजयनगर का 19 वाँ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं सामूहिक अनुष्ठानों की पूर्णाहूति संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में 27 मार्च रामनवमी को सम्पन्न हुई जिसमें प्रातः 8.30 बजे से पंचकुंडीय महायज्ञ के साथ दीक्षा, पुंसवन सहित विभिन्न संस्कार हुए । महायज्ञ पूर्णाहूति के पश्चात भगवान श्रीरामचंद्रजी का जन्मोत्सव मनाया गया पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया । कर्मकाण्ड का संचालन महेश आचार्य, ज्ञानदेव बोडखे व प्रखर पोरवाल ने किया । उपस्थित सभी परिजनों ने एक दूसरे को राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम में ब्रजमोहन विजयवर्गीय, विजेन्द्रसिंह बेस, शेषनारायण परमार, अयोध्या दुबे, आर. सी. पालीवाल, स्नेहलता पोरवाल, सुशीला परमार, वन्दना पाटीदार, राधा राठौर, सुभाष धोते, अरुणेंद्र सोनी, प्रदीप दुबे, सीमा चौहान, अनीता झाला, मंजुला सोनी, अनीता पांचाल, सीमा चौधरी, उमा यादव, चंचल यादव का विशेष सहयोग रहा । कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महायज्ञ व प्रसादी का लाभ लिया । अन्त में आभार गायत्री प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल ने माना ।

मनीष तिवारी की भजन संध्या एवं विशाल भंडारा 28 मार्च को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 28 मार्च 2026, शनिवार को देवास नगर में भव्य भजन संध्या एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से चामुंडा पैलेस, आवास नगर में संपन्न होगा। आयोजक बंटी मंगरोलिया ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी उपस्थित रहेंगे। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार भी विशेष रूप से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष तिवारी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे।

माता की आरती में उमड़ा जनसैलाब

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सुप्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। गुरुवार को महाअष्टमी के अवसर पर हुई आरती में हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ माता की आराधना कर आशीर्वाद लिया। पूरे मंदिर परिसर में पैर रखने तक की जगह नहीं थी और पूरा नगर माता के जयकारों से गूंज रहा था।

इसके पूर्व नगरवासियों ने अपने घरों में विधि-विधान से महाअष्टमी का पूजन और कन्या भोज कराया, जिसके बाद बड़ी संख्या में भक्त मां राजराजेश्वरी के दरबार पहुंचे। रात्रि 9 बजे की महाआरती का विशेष आध्यात्मिक महत्व रहा, जहां हजारों दीपों की लौ के बीच भक्तों ने माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

एक्सपायरी की सूचना पर टीम ने 3 घंटे की छानबीन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शुजालपुर स्थित रिलायंस रिटेल लि स्मार्ट प्वाईंट पर एक्सपायरी डेट का सामान होने की शिकायत पर टीम ने 3 घंटे तक छानबीन की। इस दौरान एक्सपायरी सामान मिलने पर उसे नष्ट कर पंचनामा बनाया गया।

किसी ने एक्सपायरी चिप्स कुरकुरे विक्रय करने की शिकायत की थी। जांच के लिए कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश तथा अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा के संयुक्त दल की औचक निरीक्षण कार्यवाही में शुजालपुर शहर के आष्टा रोड स्थित रिलायंस रिटेल लि स्मार्ट प्वाइंट पर 3 घंटे तक छानबीन की गई। इस दौरान 2 पैकेट चिप्स 1 पैकेट 100 ग्राम कालीमिर्च एक्सपायरी पाए गए, जिनका पृथक से पंचनामा बनाकर जप्त किए, संदेह के आधार पर मिक्स्ड ड्राई फ्रूट एवं खुली चना दाल के सैंपल संग्रहित किए। दोनों नमूने जांच के लिए खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे है। जांच रिपोर्ट एवं विवेचना के आधार पर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दौरान स्वच्छता से कार्य करने, परिसर में साफ सफाई रखने, एक्सपायरी सामग्री के पृथक के करण तथा उचित समय पर नष्ट करने, रिटर्न चालान, एफएसएमएस प्लान तथा रिकाल प्लान तथा आइसोलेशन सिस्टम विकसित करने, गुणवत्ता पूर्ण एवं मानक स्तर की खाद्य सामग्री का ही प्रदर्शन, संग्रहण तथा विक्रय करने के निर्देश दिए। 15 दिवस में दिए गए निर्देश अनुसार सुधार कर जवाब मांगा गया है। कार्यवाही में नायब तहसीलदारघनश्याम लोहार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा एवं केएल कुम्भकार शामिल थे।

चार लोगों ने खाया जहर, एक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बस स्टैंड स्थित जिला अस्पताल में गुरुवार रात 9 से 12 बजे के बीच जहरीले पदार्थ के सेवन के चार अलग-अलग मामले सामने आए। इनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक अन्य को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। बाकी दो मरीजों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

पहला मामला जिले के ग्राम इमलीखेड़ा गांव का है, जहां शंकर लाल नामक युवक ने किसी कारणवश जहरीली दवा का सेवन कर लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। दूसरा मामला मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र के ग्राम मटेवा से जुड़ा है। यहां मिथुन पिता देवकरण (उम्र करीब 25-30) को इलाज के लिए लाया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई। युवक ने जहरीला पदार्थ क्यों खाया, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

तीसरा मामला सुनेरा थाना क्षेत्र की एक युवती से संबंधित है, जिसने पूछताछ में अन्य कारणों के चलते दवा पीने की बात कही। उसका इलाज जारी है। वहीं चौथा मामला जूनापानी निवासी सत्तू सोलंकी का है, जिसे गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। शाजापुर अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ एसआई बाबूलाल डाबी ने बताया कि जिला अस्पताल में तीन पुरुष और एक युवती को जहरीले पदार्थ के सेवन के बाद लाया गया था। इनमें से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य को इंदौर रेफर किया गया है। युवती और एक अन्य युवक का शाजापुर जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मेरा कर दो बेड़ा पार, मेरे रामलला सरकार

दिनभर रामधुन में रमा रहे नगरवासी, धूमधाम से मनाया श्री राम नवमी महोत्सव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेरा कर दो बेड़ा पार, मेरे राम लला सरकार, भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या हितकारी, हरषित महतारी, मुनि मन हारी, अद्भुत रूप बिचारी....। इन चौपाईयों और भजनों के साथ नगरवासियों ने अपने आराध्य मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम की स्तुति कर उन्हें आस्था का भोग लगाया। अवसर था श्री राम जी के प्रकटोत्सव का जिसे नगरवासियों ने उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस दिन सुबह से देर रात तक नगरवासियों ने भगवान श्री राम का गुणगान किया।

अलसुबह से ही घरों ओर मंदिरों में प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी थी। इंतजार था तो केवल 12 बजने का। जैसे ही घड़ी के कांटे आपस में मिले पूरा शहर शंख, घंटाल और प्रभु श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। वहीं पूरा शहर श्री राम मंदिरों में उमड़ पड़ा। कहीं कहीं पर प्रभु श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमान जी का अभिषेक कर श्रृंगार किया गया तो कहीं पर महाआरती कर प्रसादी वितरण किया गया। तो कई स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए और प्रभु श्री राम का गुणगान किया।

दोपहर 12 बजते ही गूंजे शंख और घड़ियाल- अलसुबह से नगरवासी पर्व की तैयारियों में जुट गए थे। जैसे ही घड़ी में दोपहर के 12 बजे पूरे शहर में शंख की ध्वनियां और घंटे व घड़ियाल की ध्वनियां सुनाई देने लगी और लोगों ने पूरे उत्साह के साथ प्रभु श्री राम का स्वागत किया। इसके बाद प्रसादी वितरण किया गया। 12 बजे हुई आरती में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भाग लेकर प्रभु श्री राम का आशीर्वाद लिया।

पूर्णाहूति के साथ हुआ नवरात्रि का समापन- पिछले 9 दिनों से शहरवासी शक्ति की भक्ति में लगे हुए थे। जिसका नवमी को समापन हो गया और भक्तों ने पूर्णाहूति के साथ माता को भारी मन से विदाई दी। इस दिन पूर्णाहूति का भी आयोजन हुआ जिसमें भक्तों ने आहूति डाल विश्व कल्याण की कामना की। वहीं नगर में नवदुर्गा स्वरूप कन्याओं को भोग लगाकर उनका आशीर्वाद लिया गया। पूरे शहर में दिनभर कन्याओं के पूजन का दौर चलता रहा और शहरवासियों ने कन्याओं का पैर पूजन कर आशीर्वाद भी लिया।

रेलवे कालोनी में दो सरकारी क्वार्टरों में चोरी

लाखों की नगदी और आभूषण ले गए बदमाश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र की रेलवे कालोनी में दो स्थानों पर बदमाशों चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने सूने सरकारी क्वार्टरों को निशाना बनाते हुए नगदी और आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वारदात सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच की बताई जा रही है।

पहली घटना रेलवे विभाग में सहायक कार्य अभियंता महेश कुमार चौधरी के क्वार्टर में हुई। हाल ही में प्रमोशन के बाद उनका तबादला सीधी हो गया है। वे बुधवार को काम से बाहर गए थे और घर पर ताला लगा था। शुक्रवार को लौटने पर उन्होंने ताला टूटा हुआ और सामान बिखरा पाया। जांच में करीब 40 हजार रुपए नगद और 5 ग्राम सोने का पेंडल चोरी होना सामने आया। उनका परिवार पुणे में रहता है। दूसरी वारदात सीनियर सेक्शन इंजीनियर महेंद्र आर्य के क्वार्टर में हुई। उन्होंने बताया कि वे सुबह घर बंद कर विभागीय काम से बाहर गए थे। वापस लौटने पर ताला टूटा मिला। उनके घर से करीब 50 हजार रुपए नगद चोरी होने की बात सामने आई है।

ताला लगा होने पर उठाया फायदा- दोनों घटनाओं में चोरों ने सिर्फ नगदी और कीमती सामान ही उठाया, जबकि बाकी सामान को नहीं छुआ। खास बात यह रही कि घटना के समय दोनों ही मकान मालिक घर पर मौजूद नहीं थे और उनके घरों पर ताला लगा हुआ था। जिसका फायदा उठाते हुए बदमाशों ने वारदात की। हालांकि पुलिस के साथ फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम भी मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस साक्ष्य जुटा रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है।

बीज संघ हाइब्रिड बीजों का उत्पादन कर किसानों को बाजार से आधी कीमत पर उपलब्ध कराएगा : मंत्री श्री सारंग

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य सहकारी बीज एवं विपणन संघ मर्यादित, भोपाल (बीज संघ) के संचालक मंडल की बैठक में बीज उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बीज संघ द्वारा मक्का, नॉन-जीएम कपास एवं सब्जियों के हाइब्रिड बीजों का उत्पादन एवं विपणन किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज बाजार मूल्य की तुलना में लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इससे किसानों की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

मंत्री श्री सारंग ने बीज संघ के 'चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीजों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सोशल मीडिया, कृषि मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में बताया गया कि बीज प्रसंस्करण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट एवं कलर सॉर्टेक्स मशीनें स्थापित की जाएंगी। प्रथम चरण में यह कार्य गुना एवं खरगोन में प्रारंभ किया जाएगा, जिसे पैक्स एवं सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तारित किया जाएगा।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि किसानों को बीज उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जिन किसानों ने बीज उत्पादन में अच्छा कार्य किया है, उनके माध्यम से अन्य किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए तथा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बीज उत्पादन योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि बीज संघ आगामी समय में बीज उत्पादन, ब्रांडिंग, प्रसंस्करण एवं विपणन को मजबूत करते हुए किसानों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य करे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास म.प्र. के वाणिज्य संकाय द्वारा एवं आंतरिक गुणवक्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वाधान में दिनांक 26.03.2026 को ष्उद्यमिता, कौशल विकास और स्टार्टअप में उभरते रूझान विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन हाईब्रीड मोड (ऑनलाइन/ऑफलाइन) में अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस सेमीनार में देश एवं विदेश के शिक्षाविदों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन एवं दिप प्रज्जवलन के साथ हुआ । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एस.पी.एस.राणा तथा वरिष्ठ प्राध्यापकों डॉ. आर. एस. अनारे, डॉ. बी. एस. जाधव, डॉ. दीप्ति ढवले, डॉ. विद्या माहेश्वरी, डॉ. रश्मि ठाकुर, डॉ. मनोज मालवीय ने मंच साझा किया। उदघाटन सत्र में राष्टीय तथा अंतर्राष्टीय स्तर पर उपस्थित रिसोर्स पर्सन डॉ. गौरव खन्ना पारुल यूनिवर्सिटी गुजरात, डॉ. बबीता कडकिया एडिशनल डायरेक्टर आर एन ए इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ इंदौर, डॉ .मीरा ठाकुर अबू धाबी यूएई का औपचारिक स्वागत किया गया। संगोष्ठी के प्रारम्भ डॉ. विद्या माहेश्वरी विभागाध्यक्ष वाणिज्य ने कार्यक्रम की पृष्ठ भूमि एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात आयोजन सचिव डॉ. मनोज मालवीय ने संगोष्ठी की रूपरेखा व उदेश्य स्पष्ट किया। उदघाटन का संचालन करते हुए डॉ. संजय गाडगे ने सेमीनार की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस सत्र में कि -नोट स्पीकर के रूप में पारूल युनिर्वसीटी के डॉ. गौरव खन्ना ने अपने उदबोधन में वैश्विक परिदृश्य में उद्यमिता के महत्व, कौशल विकास की अनिवार्यता तथा स्टार्टअप संस्कृति के विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। सेमीनार कुल तीन तकनीकि सत्रों में सम्पन्न हुआ जिनमें कुल 150 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया इनमें से 16 चयनित शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रथम सत्र की चयरपर्सन के रूप में डॉ. दीप्ति ढवले व रिर्पोटियर डॉ. लता धुपकरिया व डॉ. ममता लावरे रही। द्वितीय सत्र मे विशिष्ट वक्ता के रूप में दो बबीता करकिया ने अपना उद्बोधन दिया जिसमें उन्होंने उद्यमिता, कौशल विकास और स्टार्टअप में उभरते रूझान के नए आयामो और चुनौतियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस सत्र की चेयरपर्सन के रूप में डॉ. रश्मि ठाकुर व रिर्पोटियर के रूप में डॉ. अराधना डिकूना व डॉ. जरीना लोहावाला रही। सेमीनार के अंतिम सत्र में डॉ मीरा ठाकुर ने अपना व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने उद्यमिता स्टार्टअप एवं रोजगार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस सत्र की चेयर पर्सन के रूप में डॉ. ममता झाला व रिर्पोटियर के रूप में डॉ. लीना दुबे व डॉ. रेखा कौशल रही। इन तकनीकि सत्रों में प्रस्तुत शोध पत्रों के माध्यम से कौशल विकास एवं रोजगार के बीच संबंध, स्टार्टअप की चुनोतिया, नवाचार के अवसर तथा उद्यमिता के नये आयामों पर सारगर्भित चर्चा हुई। साथ ही स्टार्टअप इण्डिया, स्कील इण्डिया, मेक इन इण्डिया एवं आत्मनिर्भर भारत जेसी सरकारी योजनाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिभागियों के बीच विचार विमर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया जिससे यह कार्यक्रम ओर अधिक संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक बना। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राणा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि इस प्रकार के अंतर्राष्टीय सेमीनार विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं तथा उन्हें आत्म निर्भर बनने के लिए प्रेरित करते है। उद्यमिता की प्राचीन परम्परा को नये कलेवर देने के लिए यह सेमीनार मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही संस्थान द्वारा भविष्य में होने वाले अकादमीक कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया।

संकल्प से समाधान अभियान में सीहोर जिले ने प्राप्त की उल्लेखनीय उपलब्धियां

1,12,950 में से 1,11,346 प्रकरणों का किया गया निराकरण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को साकार करने के लिए निरंतर काम कर रही है। सरकार गरीब, किसान, युवा, महिलाओं सहित सभी के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिए सतत कार्य कर रही है। शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है।

जिले में अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ - 98.96 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण- संकल्प से समाधान अभियान में सीहोर जिले में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं। अभियान के तहत 25 मार्च तक जिले में कुल 52 शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 46 कलस्टर, 05 ब्लॉक और एक जिला स्तरीय शिविर शामिल है। इन शिविरों में शासन की 106 सेवाओं और योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित किया गया। अभियान के तहत जिले में अभी तक 1,12,950 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 1,11,346 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 98.96 प्रतिशत की उल्लेखनीय उपलब्धि को दर्शाता है। शेष रहे आवेदनो को भी शीघ्र ही निराकृत कर दिया जाएगा।

राज्य में प्रति जिला औसत 81 हज़ार आवेदन के सापेक्ष सीहोर जिले में 37 प्रतिशत अधिक आवेदन एकत्रित किये गये है। इसी प्रकार प्रति जिला औसत निराकरण 80 हज़ार आवेदन के सापेक्ष जिला सीहोर में 38 प्रतिशत अधिक आवेदन निराकृत किये गये है। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों की 542 ग्राम पंचायतों एवं 158 नगरीय वार्डों को शामिल करते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है।

प्रमुख विभागीय उपलब्धियां- अभियान के तहत जिले के विभिन्न विभागों द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। सहकारिता विभाग द्वारा 25,584 किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृत किए गए हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 15,545 भवन निर्माण अनुज्ञा एवं राजस्व विभाग द्वारा 11,878 खसरा/खतौनी प्रतिलिपियाँ प्रदान की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 9,774 आयुष्मान कार्ड स्वीकृत किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा हजारों की संख्या में आय, निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं।

अभियान की विशेषताएँ- अभियान के अंतर्गत 19 विभागों की 106 सेवाएँ शामिल की गईं, जिनमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, विभिन्न विवाह एवं छात्रवृत्ति योजनाएँ आदि प्रमुख हैं। घर-घर सर्वे के माध्यम से आवेदन एकत्र कर उन्हें पोर्टल पर दर्ज कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया है। बहु-स्तरीय (क्लस्टर, ब्लॉक एवं जिला स्तर) शिविरों के माध्यम से पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवा का वितरण किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राहगीरों के लिए स्थापित की गई प्याऊ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम बिलकिसगंज, बमुलिया, दोराहा, बिजलोन, बड़नगर, भंडेली एवं चरनाल में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृक्ष एवं जल स्त्रोतों का पूजन कर जल एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया और ग्रामवासियों को जल और प्रकृति के संरक्षण के प्रेरित किया गया। ब्लॉक समन्वयक श्री प्रदीप सिंह सेंगर ने बताया कि इस अवसर पर ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए राहगीरों के ग्राम भंडेली और बमुलिया में चार स्थानों पर जल मंदिर (प्याऊ) भी स्थापित की गई।

गोठड़ा माताजी की भविष्यवाणी: तीन बार बोवनी के योग, फसलों के दाम अच्छे मिलेंगे; राजनीति क्षेत्र में होगी उठापटक

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले के जावरा तहसील के गोठड़ा गांव के समीप मलेनी नदी किनारे स्थित प्राचीन महिषासुर मर्दिनी गोठड़ा माताजी मंदिर में शुक्रवार को चैत्र नवरात्रि की नवमी पर वार्षिक भविष्यवाणी हुई हवन-पूजन के बाद पंडा नागूलाल चौधरी ने हजारों की संख्या में मौजूद लोगों के बीच भविष्यवाणी की। आने वाले वर्ष के मौसम, खेती, व्यापार और सामाजिक परिस्थितियों को लेकर बताया।

भविष्यवाणी के पहले मंदिर पर पूजा पाठ हुई। ढोल-ढमाकों के साथ पंडा नागुलाल चौधरी को मलेनी नदीं पर लाया गया। यहां एक चबूतरे पर खड़े होकर उन्होंने भविष्यवाणी की। पंडा नागूलाल चौधरी ने गेहूं, सोयाबीन और लहसुन के भाव अच्छे रहने के संकेत दिए । प्याज के भावों में उतार-चढ़ाव होने की बात कही। सोयाबीन में इल्ली की शिकायत रहेगी। काली और सफेद फसलों (वस्तुओं) के भाव अधिक रहने की संभावना है। गेहूं, चना समेत सभी फसलें अच्छी होगी। कुछ स्थानों पर गेहूं में खराबी आ सकती है। साथ ही राजनीतिक क्षेत्र में भी उठापटक और हलचल का दौर बने रहने की बात कही भविष्यवाणी के अनुसार इस साल तीन बार बोवनी के योग बताते हुए कहा कि खेतों में बोवनी को को लेकर उलझन की स्थिति रहेगी।

बीज दोगुना रखना पड़ेगा। पहली बोवनी आषाढ़ माह की एकम से दशमी तक, दूसरी बोवनी आधे आषाढ़ की एकम से पंचमी तक और तीसरी बोवनी आषाढ़ अंत से सावन प्रारंभ तक करना बताया। हाथों से बोवनी की सलाह दी। बहते और आते आषाढ़ में बोवनी अच्छी रहने की संभावना जताई है।

बढ़ेगी बीमारियां

भविष्यवाणी में सितंबर-अक्टूबर के दौरान बीमारियों के बढ़ने की आशंका जताई है। साथ ही उन्होंने हवन-पूजन के माध्यम से राहत मिलने की बात कही है। वैशाख से आषाढ़ तक ऐसी बीमारी फैल सकती है कि लोगों को घरों में ही रहना पड़े । गाय-भैंस में बीमारियों सामने आने के संकेत भी जताए है।

साथ ही भूकंप, तेज आंधी-तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भी संभावना जताई है। पंडा चौधरी ने इस वर्ष आगजनी और तेज हवाओं का प्रकोप अधिक रहने पर संभावना जताई है। उन्होंने वैशाख माह में भी वर्षा होने के संकेत दिए है। ज्येष्ठ माह के प्रारंभ में कम और अंत में अधिक वर्षा होगी। सावन में कहीं अधिक तो कहीं बहुत कम बारिश होने की बात कही। इसलिए खास मानी जाती है। भविष्यवाणी खासकर साल भर की खेती किसानी के लिए होती है। इस दौरान साल भर की घटनाओं को लेकर भी पंडा चौधरी द्वारा संभावनाए जताई जाती है। मालवा अंचल में काफी सालों से यह भविष्यवाणी हो रही है। इस भविष्यवाणी को सुनने रतलाम के अलावा प्रदेश के अन्य जिलो से बड़ी संख्या में किसान आते है। मान्यता है कि माताजी की कृपा से पंडा के मुख से निकली भविष्यवाणी किसानों के लिए लाभदायक रहती है। इसलिए खास मानी जाती है माताजी की कृपा से पंडा के मुख से निकली भविष्यवाणी किसानों के लिए लाभदायक रहती है भविष्यवाणी से किसान खेती व फसलों को लेकर आगे की रणनीति तैयार करता है यह भी संकेत दिए।

सोना-चांदी में आम लोगों को निवेश नहीं करने की सलाह दी

भावों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। राजनीति में भारी उथल-पुथल और विवाद होने की संभावना जताई। विश्व स्तर पर देशों के बीच युद्ध जारी रहने और इस वर्ष उसके और बढ़ने के संकेत दिए। अपने और पशुओं के लिए भोजन की व्यवस्था रखने को कहा।

गोमाता और बेटियों की रक्षा करने, जातिगत विवाद खत्म करने और समाज में एकता बनाए रखने का संदेश दिया। बीमारी समाप्त होने पर बजरंग बली जी का हवन, अभिषेक और पूजन करने की सलाह दी। साथ ही धरती माता और देवताओं की पूजा करने पर जोर दिया। भविष्यवाणी में व्यापारियों के लिए यह वर्ष ठीक रहने की संभावना जताई। भविष्यवाणी का लोगो को इतना इंतजार रहता है कि मात्र 6 घंटे मे एंटीकरप्शन टीवी इण्डिया पर 22 हजार लोग भविष्यवाणी देख चुके है।

ग्राम बोहनाखैरी में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम संपन्न

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था नारी उत्थान समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बोहनाखैरी के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव शक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज विकासखंड छिंदवाड़ा के सेक्टर क्रमांक 2 के ग्राम बोहनाखैरी में सफलतापूर्वक किया गया।

इस अवसर पर ग्राम में जल मंदिर का भव्य शुभारंभ किया गया, जो जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरूकता का प्रेरणास्रोत केंद्र बनेगा। साथ ही बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संस्कार केंद्र का भी शुभारंभ किया गया, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास हो सके।

कार्यक्रम में ग्रामवासियों की उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। उपस्थित जनों को जल का महत्व, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल स्रोतों के संरक्षण के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा जल बचाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता श्रीमती लता नागेले की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का सफल संचालन नवांकुर संस्था प्रभारी श्रीमती सोनम अहिरवार जी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त ग्रामवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। इनमें महेश बांदेवार एवं वंदना यादव ने सक्रिय योगदान देते हुए जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई।

पंचदिवसीय हवन यज्ञ का भव्य समापन

गंगाजल यात्रा से गूंजा वातावरण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खरसोद कला में आयोजित पंचदिवसीय हवन यज्ञ का आज विधि-विधान एवं धार्मिक उत्साह के साथ भव्य समापन हुआ। समापन दिवस के अवसर पर सुबह गंगाजल यात्रा निकाली गई, जो छतरी मंदिर चौक से प्रारंभ होकर शीतला माता मंदिर तक पहुंची। इस दौरान पूरे गांव में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। गंगाजल यात्रा का जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा एवं स्वागत कर सम्मान किया गया।

यात्रा के पश्चात हवन कुंड में पूर्णाहुति दी गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई पूर्णाहुति ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया।

इस अवसर पर आचार्य श्री विष्णु प्रसाद जी तिवारी ने बताया कि हवन यज्ञ से उत्पन्न होने वाली सकारात्मक ऊर्जा गांव एवं देश की सुख-समृद्धि और कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश अनेक प्रकार की आपदाओं का सामना कर रहा है, ऐसे में ईश्वर में आस्था और धार्मिक अनुष्ठान हमें मानसिक शक्ति प्रदान करते हैं। मां जगजननी की कृपा से सभी का जीवन सुखमय हो और समस्त संकटों का निवारण हो, यही कामना है।

वहीं अभिषेक शुक्ला जी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हवन यज्ञ प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को धर्म से जोड़ना और युवा पीढ़ी में संस्कारों का संचार करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से गांव में एकता, भाईचारा और धार्मिक चेतना का विस्तार होता है।

इस पूरे यज्ञ का आयोजन बाल गणेश मंडल द्वारा किया गया, जिसमें गांव के युवा, भक्तगण एवं समस्त ग्रामवासियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आयोजन के सफल संचालन में समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

समापन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिभाव, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे खरसोद कला एक बार फिर धर्ममय वातावरण में सराबोर हो उठा।

ग्राम पखड़िया में सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ.लक्ष्मीचंद एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के रा.से.यो. समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर 23 मार्च से ग्राम पखड़िया में प्रारंभ हुआ। शिविर का संचालन रा.से.यो. के तीनों अधिकारियों प्रो. महेंद्र साहू, डॉ. मंसाराम उईके एवं डॉ. निधि डोडानी के नेतृत्व में किया जा रहा है।

शिविर के प्रथम दिवस पर ध्वजारोहण के साथ शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्यों , अनुशासन एवं शिविर की निर्धारित दिनचर्या की जानकारी दी गई। प्रतिदिन प्रभात रैली, योग-व्यायाम, परियोजना कार्य, बौद्धिक चर्चा, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

द्वितीय दिवस पर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों में स्वच्छता, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित की गई। बौद्धिक सत्र के अंतर्गत द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री दर्पण नामदेव, तृतीय दिवस पर योगाचार्य डॉ. रामशंकर दियावार तथा चतुर्थ दिवस पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री मुरलीधर राव ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।

चतुर्थ दिवस पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो. महेंद्र साहू ने सच है विपत्ति जब आती है ओजपूर्ण कविता के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि मनुष्य अपने साहस के बल पर हर कठिनाई का सामना कर सकता है। जनसंपर्क गतिविधियों के अंतर्गत ग्रामवासियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल साक्षरता , नशा मुक्ति एवं स्वच्छता को लेकर जागरूकता रैली निकालकर समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया, जिसका ग्रामीणों पर प्रभाव भी देखा गया। शिविर का संचालन दलनायक श्री संकल्प विश्वकर्मा, दलनायिका श्रीमती भूमिका धुर्वे, उपशिविर नायक श्री शिवम उईके एवं उपशिविर नायिका श्रीमती अंशिका सिंगारे द्वारा किया जा रहा है।

हिंगलाज माता मंदिर में महाष्टमी को हवन संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी मैं चैत्र नवरात्रि की महाष्टमी गुरुवार को विधि विधान से पूजा कर माता को नए वस्त्र धारण करा कर विशेष श्रंगार किया गया। बाद नव वर्ष में सुख समृद्धि एवं शांति के लिए आहुतियां देकर हवन संपन्न हुआ पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि रामनवमीं शुक्रवार को प्रातः कुलदेवी कामाख्या देवी की पूजा अर्चना कर कन्या भोज के साथ बाड़ी का विसर्जन कर चैत्र नवरात्रि का समापन होगा इस अवसर पर भक्तों ने माता के दर्शन और हवन का लाभ लिया।

रामनवमी पर भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सिर पर भगवा पगड़ी, गले में केसरिया दुपट्टे, हाथों में भगवा ध्वज और मुंह पर जय श्री राम के नारों ने शुक्रवार को शहर राममय बना दिया। नगर में शुक्रवार को श्री रामी माली समाज नवयुवक मंडल के द्वारा भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा माली मोहल्ला श्री राम मंदिर से शुरू हुई।

शोभायात्रा में जहां भगवान राम से जुड़ी झाँकियां सजाई गई, वहीं भजनो पर श्रद्धालुओं जमकर नृत्य किया। शोभायात्रा में भगवा ध्वज फहराते युवा चल थे। बैंड बाजे से स्वर लहरियां गूंज रही थी। डीजे पर श्री राम के भजन गूंज रहे थे। युवा हाथों में भगवा फहराते हुए जय-जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुष ढोल की थाल थिरकते हुवे चल रहे थे। शोभा यात्रा का कई धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं ने स्वागत किया एवं जल व्यवस्था भी की । जगह-जगह आराध्य देव भगवान श्री राम की प्रतिमा पर भक्तों ने माल्यार्पण किया। शोभा यात्रा मे नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुनील परमार, समाज अध्यक्ष भरत मकवाना , नवयुवक मंडल के सदस्य माली समाज के वरिष्ठजन एवं अन्य समाजजन सहित राम भक्त शामिल थे।यात्रा में विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या, पूर्व विधायक मुकेश पंड्या, कांग्रेस पूर्व विधायक मुरली मोरवाल,नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, पूर्व पार्षद सतीश वर्मा, पार्षद अजय दौराया,पार्षद नर्मदा राजेश परमार पार्षद प्रतिनिधि तरुण आचार्य एवं भाजपा जिला महामंत्री श्याम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव,विजय चौधरी,भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन राठौड़ , महामंत्री अंकित त्रिवेदी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित पटौदी किसान मोर्चा अध्यक्ष राजेश परमार शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंची। जहां भगवान श्री राम के मंदिर पर भगवा ध्वज लगाया गया। भगवान श्री रामजी की महाआरती मंडल द्वारा ढोल ड़मरू, तांबे, और झांझ मंजीरा से की गई। भक्तों को प्रसादी वितरण की गई।

प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने पुनः जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हालचाल

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की स्थिति का जायजा लेने हेतु आज प्रातः पुनः जिला अस्पताल छिंदवाड़ा पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने अस्पताल में भर्ती घायलों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह दुर्घटना की सूचना मिलते ही गत रात्रि देर से ही जिला अस्पताल पहुंच गए थे और तभी से पूरे घटनाक्रम एवं घायलों के उपचार की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ यात्रा के लिये विशेष ट्रेन होगी 30 मार्च को रवाना

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिले से चयनित तीर्थ यात्रियों को वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ यात्रा पर भेजने के लिए 30 मार्च 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक की समय-सारणी निर्धारित की गई है। योजना के तहत विशेष ट्रेन 30 मार्च 2026 सोमवार को प्रात॰ 09॰30 बजे छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। इसके लिए चयनित तीर्थ यात्रियों की सूची संबंधित जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों को पूर्व में उपलब्ध कराई जा चुकी है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी चयनित तीर्थ यात्रियों को 30 मार्च 2026 सोमवार को प्रात॰ 08॰30 बजे तक छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन में उपस्थित कराना अनिवार्य होगा। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा यात्रियों को स्टेशन तक लाने एवं विशेष ट्रेन में बैठाने की समस्त व्यवस्था एवं दायित्व आयुक्त नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छिन्दवाड़ा को सौंपे गये हैं। इस कार्य के लिये संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा पर्याप्त कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से तैनात किया जाएगा, जो यात्रियों की गणना कर उन्हें ट्रेन में बैठाकर प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

डिप्टी कलेक्टर श्री रमेश कुमार मेहरा ने बताया कि तीर्थ यात्रा पर जाने वाले सभी चयनित यात्रियों को अपने साथ यात्रा टिकट एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र की मूल प्रति, जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र अथवा पैन कार्ड में से कोई एक, अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। नियत तिथि एवं समय पर विशेष ट्रेन छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन से वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ यात्रा के लिये प्रस्थान करेगी। संबंधित अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके क्षेत्र के सभी चयनित यात्रियों को ट्रेन के प्रस्थान स्थल, समय-सारणी एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी पूर्व से दे दी गई हो।

अभिव्यक्तियों में आंनददायी अनुभूतियां

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्रीरामनवमी के पावन पर्व पर कलानुशासनों में श्रीरामचंद्र की महिमा केन्द्रित आविर्भाव समारोह का आयोजन आज शाम गौरीघाट, जबलपुर में किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से किया गया, जिसमें श्रद्धा, भक्ति और शास्त्रीय-सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुपम संगम ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में श्री सुमित दुबे, नरसिंहपुर द्वारा बुंदेली गायन, सुश्री नुपूर माहौर, भोपाल द्वारा भरतनाट्यम शैली में श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका एवं अंत में श्री रुद्रकांत ठाकुर, सिवनी द्वारा भक्तिगायन की प्रस् तुति दी गई। प्रस्तुति की शुरुआत श्री सुमित दुबे एवं साथी कला कारों ने पारंपरिक बुंदेली लोकगायन से की। उन्होंने माँ नर्मदा के पावन तट पर जन्मे राम सलोना अवध में गीत गाकर माहौल को भक्ति रस से भिगो दिया। इसके पश्चात जनम लये रघुरैया अवध में बाजे बथैया, देवी दुर्गा ने दिए बरदान हमाये घर लाला भये राम लला मेरो बारो, नजर कोई इनपे ने डारो, मोरी कटवा की नाव तेरे जा दूभरे पॉव और मिल गए राम सफल भई अंखियां जैसे लोक गीतों के माध्यम प्रस्तुति को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान करते हुए समापन किया। अगली प्रस्तुति सुश्री नुपूर माहौर एवं साथी कलाकारों ने भरतनाट्यम शैली में नृत्य नाटिका लव-कुश की रामायण की दी। लव-कुश की रामायण, रामायण का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसमें भगवान श्रीराम के पुत्र लव और कुश की कथा का वर्णन मिलता है। यह कथा मुख्य रूप से माता सीता के वनवास और उनके पुत्रों के पालन-पोषण से जुड़ी है। वन में महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में माता सीता ने लव और कुश को जन्म दिया। महर्षि वाल्मीकि ने ही दोनों बालकों को शिक्षा दी, शास्त्र, नीति, धनुर्विद्या के साथ-साथ उन्होंने अपनी रची हुई रामायण का ज्ञान भी दिया। रामायण को दोनों ने कंठस्थ कर लिया। उनके गायन में उनके माता-पिता के जीवन का सार था। नाटिका में राम का जन्म, गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा, सीता स्वयंवर में शिव-धनुष भंग, वनवास और राम-राज्य की स्थापना के दृश्य ताल आदि, राग मलिका में निबद्ध थे। भरतनाट्यम की इस मनमोहक प्रस्तुति के बाद श्री रुद्रकांत ठाकुर एवं साथी कलाकारों ने अपने मधुर गायन से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

शिक्षा और संस्कारों का संगम है पुस्तक मेला: रत्नेश सोनकर

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में आयोजित तृतीय %पुस्तक मेला 2026% के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा शहर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश, भोपाल के उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक और शिक्षाविद उपस्थित रहे। नवाचार और विजन की सराहना अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री रत्नेश सोनकर ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी के विजन और कार्यशैली की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री सोनी ने जब इस पुस्तक मेले की परिकल्पना की थी, तब उनका उद्देश्य सभी शैक्षणिक सामग्रियों को एक ही स्थान पर सुलभ कराना था। श्री सोनकर ने रेखांकित किया कि जब कोई कार्य पवित्र भाव और स्पष्ट विजन के साथ शुरू किया जाता है, तो उसे न केवल समाज बल्कि सरकार भी सहर्ष स्वीकार करती है। यही कारण है कि जबलपुर की इस प्रभावी कार्यपद्धति को अब पूरे मध्य प्रदेश में अपनाया जा रहा है और शासन व प्रशासन इसे निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विशिष्ट अतिथि श्री श्रीनिवास राव के प्रेरणादायी उद्बोधन और उनके मार्गदर्शन की भी प्रशंसा की। अभिभावकों को मिली बड़ी राहत श्री सोनकर ने कहा कि वर्ष 2024 से प्रारंभ हुई यह पहल अभिभावकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को उचित और कम दामों पर उच्च गुणवत्ता वाली कॉपियां व किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह आयोजन अपनी सफलता के साथ लगातार तीसरे वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। मेले में कॉपियों पर 50% तक की भारी छूट और जरूरतमंद बच्चों के लिए संचालित बुक बैंक के प्रति आम जनता में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सम्मान मेले के तीसरे दिन भी स्कूली बच्चों द्वारा दी गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं एवं पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जिलेवार समीक्षा की गई।

सुशासन से जुड़े विभागों (राजस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामान्य प्रशासन एवं लोक सेवा प्रबंधन) की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कृषि कल्याण वर्ष एवं संकल्प से समाधान अभियान को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने, लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करने तथा द्वत्नह्ञ पोर्टल पर सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने संवेदनशील बस्तियों का जोनल प्लान तैयार करने, आपातकालीन वाहनों के सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, NCORD की जिला स्तरीय समिति की नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट के प्रकरणों में राहत राशि का समय पर भुगतान, जिला सड़क सुरक्षा समिति (DRSC) द्वारा ब्लैक स्पॉट सुधार, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, साइबर अपराध नियंत्रण तथा शस्त्र लाइसेंस के लिए डिजिटल पोर्टल के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।

पेट्रोल, डीजल, CNG एवं PNG की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। Commercial CNG की आपूर्ति पर विशेष निगरानी रखने तथा कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर सख्त नियंत्रण हेतु नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नागरिकों को PNG कनेक्शन हेतु प्रेरित करने पर बल दिया गया।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक सप्ताह कम से कम 10% प्रकरणों में उर्वरक वितरण की जांच करने के निर्देश दिए गए।1 अप्रैल से उर्वरक वितरण के लिए ई-विकास प्रणाली का 100त्न क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा विशेष परिस्थितियों में ही हाइब्रिड व्यवस्था की अनुमति देने को कहा गया।

नरवाई जलाने पर सख्ती से नियंत्रण तथा गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का समय-सीमा में वेरिफिकेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपार्जित गेहूं की गुणवत्ता बनाए रखने एवं रिजेक्शन की स्थिति में सैंपल सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान को जनभागीदारी से व्यापक स्तर पर संचालित करने तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, कामधेनु योजना एवं मत्स्य पालन योजनाओं को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं बिरसा मुंडा योजना में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों का समय-सीमा में निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाने, डॉग बाइट की घटनाओं की रोकथाम एवं उपचार व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 14 से 20 अप्रैल तक आयोजित होने वाले Fire Service Week के दौरान विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर सी.एस. सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में 7 अप्रैल से शुरू होगा गेहूँ उपार्जन कलेक्टर श्री तिवारी ने गेहूँ उपार्जन हेतु 77 उपार्जन केंद्र किये निर्धारित

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत कृषकों से 7 अप्रैल से 12 मई तक गेहूँ का उपार्जन किया जायेगा। जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने गेहूँ उपार्जन हेतु 77 उपार्जन केंद्र निर्धारित किये हैं और इनके पर्यवेक्षण एवं सुचारू संचालन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किये हैं।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूँ का समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। कृषकों से उपार्जन कार्य सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक 5 दिवस प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक किया जायेगा। शनिवार एवं रविवार को खाद्यान्न का परिवहन, भण्डारण एवं लेखा मिलान का कार्य किया जायेगा।

कृषक अपनी उपज के विक्रय हेतु www.mpeuparjan.nic.in पर स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे।यहाँ बने उपार्जन केंद्र कटनी नगर तहसील में उपार्जन केंद्र कन्हवारा के लिए नोडल अधिकारी हल्का पटवारी रामगोपाल यादव, कैलवारा चाका के लिए हल्का पटवारी निशांत पटेल, विपणन कटनी के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रामगोविंद पटेल और वृहताकार कटनी के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी जयेश दुबे को बनाया गया है। इसी प्रकार कटनी तहसील में उपार्जन केन्द्र पहाड़ी के लिए हल्का पटवारी प्रमोद दीक्षित, हीरापुर कौड़िया के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राहुल मिश्रा और सिंघनपुरी के लिए हल्का पटवारी धर्मेन्द्र सिंह बागरी नोडल अधिकारी होंगे।

जबकि तहसील ढीमरखेड़ा में उपार्जन केन्द्र कुदवारी के लिए नोडल अधिकारी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी निशा सोलंकी, खाम्हा के लिए हल्का पटवारी कृष्ण कुमार सोनी, खमतरा के लिए हल्का पटवारी लम्मू सिंह मरावी और कटरिया के लिए हल्का पटवारी महेन्द्र कुमार राय, ढीमरखेड़ा के लिए हल्का पटवारी राहुल चौरसिया, पोंडीकला के लिए हल्का पटवारी मनीष कुमार दाहिया, दसरमन के लिए हल्का पटवारी जॉय चक्रवर्ती, कछारगांव के लिए हल्का पटवारी अनीष इक्का, सिलौड़ी (नेगई) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रामेश्वर पंथी, कचनारी के लिए हल्का पटवारी विश्वनाथ सिंह और झिन्ना के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पंकज चोपड़ा होंगे। उपार्जन केन्द्र मुरवारी के लिए हल्का पटवारी दानसिंह प्रधान, देवरी मंगेला के लिए हल्का पटवारी कविता गोटिय और उमरियापान (मंडी प्रांगण) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी स्नेहलता कोरचे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह तहसील बड़वारा में उपार्जन केन्द्र बड़वारा (राय वेयरहाउस) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुभद्रा मुजलदे, विलायतकला के लिए हल्का पटवारी अहमद रजा खान, भजिया के लिए हल्का पटवारी भवन सिंह धाकड़, अमाड़ी के लिए हल्का पटवारी गौसमीन बानो, बसाड़ी के लिए हल्का पटवारी शुभलता सोनी, निगहरा के लिए हल्का पटवारी दीपमाला यादव और नन्हवारा सेझा के लिए हल्का पटवारी विवेक कुमार उर्मलिया नोडल अधिकारी होंगे। वहीं बरही तहसील में उपार्जन केन्द्र करेला के लिए हल्का पटवारी श्याम सिंह रावत, करौंदीखुर्द के लिए हल्का पटवारी संजय सिंह राठौर, पिपरियाकला-1 के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ब्रह्मानन्द परस्ते और बरही केंद्र के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राहुल जाटव को जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार तहसील बहोरीबंद में उपार्जन केन्द्र बहोरीबंद के लिए हल्का पटवारी मनोज कुमार मौर्य, हथियागढ़ के लिए हल्का पटवारी नंदनी वर्मन आदी।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर शनिवार को करेंगे 1.82 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उप नगर ग्वालियर में मूर्तरूप लेने जा रहे 1.82 करोड़ से अधिक राशि की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शनिवार 28 मार्च को भूमिपूजन करेंगे।

मंत्री श्री तोमर इस दिन प्रातः 11 बजे उपनगर ग्वालियर के अंतर्गत जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, उनमें स्वरूप बैश के निवास से पुलिस चौकी तक 6 लाख 30 हजार 947 रुपए की लागत से निर्मित होने वाले नवीन नाला निर्माण कार्य, श्री व्हीएस तोमर के मकान से हेतराम बाथम के मकान तक 11 लाख 62 हजार 929 रुपए की लागत से बनने जा रही सीमेंट कांक्रीट रोड व नाली निर्माण कार्य, श्री मुन्ना ढोल वाली गली में 26 लाख 34 हजार 486 रुपए की लागत से सीमेंट रोड एवं नाली निर्माण कार्य, श्री जरदार खॉन के मकान के सामने स्थित पप्पू रजक वाली गली में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य, कुशवाह मोहल्ले में श्री अनिल यादव एवं श्री छोटेलाल कुशवाह वाली गली में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य, डुढैल वाली माता मंदिर के पास 5 लाख 09 हजार 264 रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, श्री हीरा भूमिया प्रांगण में 9 लाख 39 हजार 693 रुपए की लागत से हॉल निर्माण कार्य, श्री पंचमुखी महादेव मंदिर के पास 6 लाख 52 हजार 332 रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, जगनापुरा नं 01 श्री बल्ली यादव के मकान से श्री जॉनी राठौर के मकान तक 4 लाख 85 हजार 260 रुपए की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड व नाली निर्माण कार्य का।

नरवाई को जलाना पूर्णत प्रतिबंधित कियानरवाई प्रबंधन, उन्नत यंत्रों का उपयोग एवं धरती माता को सुरक्षित रखें

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी सीजन में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश अनुसार जिला अंतर्गत फसल कटाई के पश्चात बचाने वाले अवशेष कुंट एवं डंठल (नरवाई) को जलाना पूर्णत प्रतिबंधित किया गया है। जिले मे इस सीजन मे अभी तक सेटेलाईट के माध्यम से जिन क्षेत्रो मे नरवाई जलाने की घटनाएं दर्ज की गई उन क्षेत्रो मे पंचनामा तैयार किया जाकर नोटिस जारी करने एवं अर्थदण्ड की कार्यवाही की जावेगी।

नरवाई में आग लगाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिये नरवाई प्रबंधन के यंत्रों जैसे एक्स्ट्रा रीपर, रीपर, रीपर कंबाइंडर, एक्स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, सुपर सीडर, मल्चर, बेलर इत्यादि का उपयोग किया जाना चाहिए। रीपर (ट्रैक्टर चालित/स्वचालित) खड़ी फसल को जड़ के पास से काटकर कतारों में व्यवस्थित रखता है। स्ट्रा रीपर यह यंत्र कंबाइन हार्वेस्टर के बाद खेत में बची नरवाई को काटकर भूसा तैयार करता है। इसके अतिरिक्त कृषक बन्धु फसल अवशेष को तेज धूप के बाद रोटावेटर का उपयोग करके अथवा देशी पाटा चलाकर गेहूं के बचे हुए स्ट्रा को जमीन में मिला सकते हैं। स्ट्रा को जमीन में मिलाने से जमीन की भौतिक दशा एवं कंपोस्टिंग खाद मिलने से जमीन की उर्वरा शक्ति में सुधार होता है।

इसी कडी मे जिले के ग्राम तिसगांव, बडौदा, चालनी, सलकनपुर, चन्दवाडा इत्यादि गाव के कृषक श्री राहुल राठौर, घनश्याम पिता भेरूलाल, राजू पिता हीरालाल, कृष्णा पटेल इत्यादि कृषको द्वारा धरती मां को जलने से बचाने की दिशा में नरवाई प्रबंधन के यंत्रो का उचित उपयोग किया जा रहा है।

जनगणना 2027 - फील्ड ट्रेनर्स का प्रथम बैच प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना) की तैयारियों के अंतर्गत बड़वानी जिले में फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 24 मार्च से 26 मार्च 2026 तक शासकीय आदर्श महाविद्यालय, बड़वानी के सभागृह में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में कुल 27 फील्ड ट्रेनरों ने सहभागिता करते हुए जनगणना 2027 से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं का गहन अध्ययन किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की मूल अवधारणाएं, मकानसूचीकरण प्रक्रिया, हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का निर्माण एवं सत्यापन, ब्डडै पोर्टल का उपयोग, मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा प्रविष्टि, स्व-गणना की प्रक्रिया, डेटा गुणवत्ता एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स डॉ. अनिल पाटीदार एवं श्री राजाराम मुवेल, सहायक प्राध्यापक, शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी द्वारा प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मोबाइल ऐप का उपयोग, डेटा भरने की प्रक्रिया एवं फील्ड में आने वाली व्यावहारिक परिस्थितियों के समाधान हेतु अभ्यास सत्र भी आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के शुभारंभ एवं समापन अवसर पर अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री सोहन कनाश द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य के महत्व, समयबद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। प्रशिक्षण प्राप्त फील्ड ट्रेनर्स अब आगामी चरण में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जिससे जनगणना कार्य की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके। आगामी बैच का प्रशिक्षण दिनांक 01 अप्रैल से 03 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग 30 फील्ड ट्रेनर्स सहभागिता करेंगे।

अग्नि सुरक्षा मेला 29 से 31 मार्च तक, कलेक्टर ने मेले की तैयारियों का लिया जायजा

ग्वालियर /दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के निवासियों को अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित करने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में 29, 30 व 31 मार्च को अग्नि सुरक्षा मेले का आयोजन ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में किया जा रहा है। यह मेला जिला प्रशासन द्वारा समाज के सभी वर्गों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। मेले में अग्नि सुरक्षा से बचने के उपाय, अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन, विक्रय के साथ-साथ लाइव प्रदर्शन भी किया जायेगा।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अग्नि सुरक्षा मेले की तैयारियों का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, एकेवीएम की कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रतीक राव, एसडीएम श्री अतुल सिंह, श्री नरेशचंद गुप्ता सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि अग्नि सुरक्षा मेले में समाज के सभी वर्ग आकर अग्नि सुरक्षा उपकरणों का अवलोकन, उपकरणों के संचालन की प्रक्रिया को समझें, इसके लिये जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अपने-अपने क्षेत्र में व्यापारी संघों एवं गणमान्य नागरिकों से चर्चा कर उन्हें मेले की जानकारी देने के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने की बात कही जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि मेले की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण हों। मेले में अग्नि सुरक्षा के संबंध में नागरिकों को अधिक से अधिक जानकारी देने के साथ-साथ अग्नि सुरक्षा का लाइव प्रदर्शन भी किया जाए। अग्नि सुरक्षा उपकरण विक्रय करने वाले दुकानदारों को मेले में उचित स्थान एवं व्यवस्थायें मुहैया कराई जाएं ताकि जिले के नागरिकों को सुविधाजनक तरीके से अग्नि सुरक्षा की जानकारी और उपकरण उपलब्ध हो सकें।

दुःखद सड़क दुर्घटना में मृत एवं गंभीर रूप से घायल के आश्रितों को 10-10 हज़ार रुपये की तात्कालिक सहायता

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गाँधी रोड पर शुक्रवार की सुबह हुई दुःखद सड़क दुर्घटना में मृत पाँच लोगों के आश्रितों को जिला प्रशासन द्वारा रेड क्रॉस सोसायटी से 10-10 हजार रूपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है । साथ ही गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को भी 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तात्कालिक रूप से दी गई है। राज्य शासन की अन्य योजनाओं के तहत भी मृतकों के आश्रितों को मदद उपलब्ध कराई जायेगी। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान जेएएच के ट्रामा सेंटर पहुँचीं और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का बेहतर से बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों से भेंट कर ढाढ़स बंधाया। साथ ही भरोसा दिलाया की मृतकों के आश्रितों को शासन की योजनाओं के तहत हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को मृतकों के बच्चों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शासन के प्रावधानों के अनुसार अन्य सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। मृतकों के परिजनों एवं घायलों की मदद के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के साथ एसडीएम श्री नरेश कुमार गुप्ता, तहसीलदार श्रीमती मधुलिका तोमर व श्री रमाशंकर सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी पहुँचे थे।

जिले में भरपूर मात्रा में खाद का भण्डारण, वर्तमान में 20,365 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में किसानों को वितरण करने के लिए भरपूर मात्रा में खाद उपलब्ध है। जिले में इस समय 20 हजार 365 मैट्रिक टन रासायनिक खाद का भण्डारण है। साथ ही जरूरत के अनुसार रेलवे रैक के माध्यम से लगातार खाद की आवक बनी रहेगी। जिले के किसानों को खाद को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं है और अफवाहों से बचें। सभी किसानों को ई-टोकन के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सरकार द्वारा खाद वितरण के लिये लागू की गई ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन) व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, जिससे किसान भाई ई-टोकन लेकर खाद प्राप्त कर सकें। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री आर.बी.एस जाटव ने बताया है कि वर्तमान समय में जिले में 7 हजार 818 मैट्रिक टन यूरिया, 6 हजार 471 मैट्रिक टन एन.पी.के, 2 हजार 230 मैट्रिक टन डी.ए.पी, 3 हजार 657 मैट्रिक टन एस.एस.पी व 189 मैट्रिक टन एम.ओ.पी का भण्डारण है। जिले के सभी खाद विक्रेताओं को सूचित कर दिया गया है कि वह किसानों को ई टोकन के माध्यम से भी खाद का वितरण करें। खाद विक्रेताओं को आगाह किया है कि जो विक्रेता इस नियम का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रेस कांफ्रेस में कलेक्टर ने रबी विपणन वर्ष 2026-27, जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जनगणना की दी जानकारी

अशोक नगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रेस कांफ्रेस के माध्यम से रबी विपणन वर्ष 2026-27 ,जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जनगणना की दी जानकारी दी गई । प्रेस कांफ्रेस में रबी उर्पाजन का कार्य 30 अप्रैल से प्रारंभ हो रहा है,यह योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना है रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन 07 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है। इस वर्ष जिले में 42 पंजीयन केन्द्र बनाये गये है , जिसमें समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय करने हेतु 16798 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया गया है। उपार्जन हेतु जिले में 26 गेंहू उपार्जन केन्द्र बनाये गये है। शासन द्वारा गेंहू का न्यूनतम समर्थन मूल्य रू. 2625 (बोनस सहित) निर्धारित किया गया है। साथ ही उपार्जन केन्द्रों पर गेंहू उपार्जन की गुणवत्ता, शासन द्वारा नियत संसाधन एवं कृषकों की मूलभूत सुविधाएं हेतु कराने के लिये सभी उपार्जन केन्द्रों पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। साथ ही उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ हो गया है। इस अभियान में विभिन्न विभागों द्वारा कार्य किया जा रहा है। साथ ही शासकीय/निजी भवनों में रेन वाटर हार्वेसटिंग सिस्टम लगाया जाना सुनिश्चित करें जिससे वर्षा का जल संचय किया जा सके। साथ ही इस अभियान के तहत जिले में बावडियों की साफ सफाई एवं जीर्णउद्धार का कार्य कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला पुराततविक एवं एतेहासिक जिला है, इस हेतु जिले के मल्हरागढ एवं कचनार के किले की साफ सफाई एवं जीर्णउद्धार के लिये कार्ययोजना बनाई जा रही है। जिले में पेट्रोल,डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता की जानकारी दी गई। जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जा रही है। जिसमें प्रथम चरण में (मकान सूचीकरण एवं मकान गणना) का कार्य किया जा रहा है। प्रेस कांफ्रेस में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन,अपर कलेक्टर श्री डी.एन.सिह,प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती प्रार्ची शर्मा,उपसंचालक कृषि श्री अमित सिंह भदौरिया,मंडी सचिव श्री भागीरथ अहिरवार एवं मीडियाबंधु उपस्थित थे।

रतनगढ़ स्थित सिंध नदी में डूब रही बालिका का सफलतापूर्वक रेस्क्यू करने वाली जांबाज टीम को किया गया सम्मानित

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि मेले के दौरान प्रसिद्ध शक्तिपीठ रतनगढ़ माता मंदिर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस की तत्परता एवं कुशल प्रबंधन के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। महोबा (उत्तर प्रदेश) से आई एक बालिका को सिंध नदी में डूबने से समय रहते बचा लिया गया। दिनांक 26 मार्च 2026 को महोबा (उ.प्र.) निवासी एक परिवार अपनी पुत्री मधु सेन के साथ माता रतनगढ़ के दर्शन हेतु आया हुआ था। सिंध नदी घाट पर अचानक बालिका को मिर्गी का दौरा पड़ने से वह अनियंत्रित होकर गहरे पानी में गिर गई और डूबने लगी। घाट पर तैनात एसडीआरएफ एवं पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया। एसडीआरएफ के सैनिक अनूप कुमार एवं अजय कुमार ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगाकर बालिका को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के पश्चात मात्र 2 मिनट के भीतर एम्बुलेंस चालक मनोज कुमार यादव मौके पर पहुंचे और बालिका को मंदिर परिसर में स्थापित अस्थायी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉ. शुभम शर्मा एवं डॉ. सचिन रावत द्वारा तत्काल उपचार प्रदान किया गया। समय पर मिली चिकित्सा सहायता से बालिका अब पूर्णतः स्वस्थ एवं सुरक्षित है। इस सराहनीय एवं साहसिक कार्य के लिए आज कलेक्टर दतिया श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा रेस्क्यू टीम के सदस्यों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, पुलिस अधीक्षक दतिया श्री सूरज कुमार वर्मा द्वारा पूरी टीम को दस हजार रुपये का नकद इनाम देकर उत्साहवर्धन किया गया। दोनों अधिकारियों ने टीम के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्यनिष्ठा एवं सतर्कता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि नदी घाटों पर विशेष सावधानी बरतें एवं गहरे पानी की ओर न जाएं। बच्चों एवं अस्वस्थ व्यक्तियों पर निरंतर निगरानी रखें। प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा नियमों, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षाकर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रामनवमी पर महाकाल बने श्रीराम, गूंजा उज्जैन 'जय श्रीराम-जय महाकाल' से

भस्मारती में हुआ अलौकिक श्रृंगार, मंदिरों में हवन-पूजन और महाआरती; शाम को निकली पारंपरिक गेर में उमड़ा जनसैलाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रामनवमी का पर्व शुक्रवार को धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में तड़के होने वाली भस्मारती के दौरान भगवान महाकाल का श्रीराम स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया। इस दिव्य रूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नंदी हॉल और कार्तिकेय मंडपम श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे और पूरा परिसर 'जय श्रीराम' व 'जय महाकाल' के जयघोष से गूंज उठा।

परंपरा के अनुसार सभा मंडप में भगवान वीरभद्र के समीप स्वस्ति वाचन किया गया। इसके बाद मंगल ध्वनि के बीच चांदी के द्वार खोले गए और गर्भगृह के पट दर्शनार्थ खोले गए। पुजारियों ने सबसे पहले भगवान का पूर्व श्रृंगार उतारकर विधि-विधान से जलाभिषेक किया। इसके पश्चात दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया और कर्पूर आरती उतारी गई।

रामनवमी के अवसर पर बाबा महाकाल को विशेष वैष्णव तिलक लगाया गया। भव्य आभूषणों से सजे भगवान के इस स्वरूप ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से जैसे ही भगवान को भस्म अर्पित की गई, पूरा मंदिर परिसर जयघोष से गूंज उठा। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद निराकार महादेव साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

वहीं, शहर के अन्य मंदिरों में भी रामनवमी का उत्साह देखने को मिला। रामघाट स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण का पूजन-अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद हवन और महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

शाम को निकली पारंपरिक गेर- रामनवमी के अवसर पर बहादुरगंज स्थित चंडमुंड नाशिनी माता मंदिर से शाम को पारंपरिक गेर निकाली गई। शाम 7 बजे शुरू हुई इस गेर में पांच आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। गेर बहादुरगंज से प्रारंभ होकर मालीपुरा, कंठाल होते हुए गुदरी क्षेत्र में पहुंचकर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर और जयघोष करते हुए गेर का स्वागत किया। रामनवमी पर उज्जैन में आस्था, परंपरा और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां हर ओर भक्ति का माहौल छाया रहा।

पारा 37 डिग्री से आगे निकला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के तापमान में लगातार बढ़त का दौर चल रहा है। पिछले दिनों में ही दिन का तापमान 7 डिग्री बड़ चुका है। इसके कारण गर्मी का असर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। दिन में तीखी धूप चुभने लगी है और बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है हालांकि रात में ठंडी हवाएं गर्मी से राहत दे रही है। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के अनुसार कल दिन का अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री रहा, जो सामान्य लेकिन परसों को अपेक्षादेड़ दिय ज्यादा था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री था। इस दौरान इथाओं की दिशा उत्तरी और उतर पूर्वी रही हवाओं की अधिकतम रफ्तार 11 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। पिछ्ले दिनों से तुलना करें तो तापमान में लगातार तेजी आ रही है। 20 मार्च को जहां अधिकतम तापमान 31 शिधी के करीब था, वहीं कल यह बढ़कर 37.7 डिसी पर पहुंच गया, गानी दिनों में डिग्री तापमान ब चुका है। रात के तापमान में भी तेजी बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुधार आने वाले दिनों में तापमान में और भी बढ़त देखने को मिलेगी और गर्मी का असर और बढ़ेगा।

बारातियों से भरी यात्री बस पलटी, 15 लोग घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर मार्ग इंगोरिया में शुक्रवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। बारातियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलटी खाई है। गनीमत रही कोई जनहानि की सूचना सामने नहीं आई। लेकिन एक ही परिवार के लगभग 15 लोग हादसे में घायल हुए है। जिन्हें इंगोरिया के शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

थाना प्रभारी इंगोरिया दीपेश व्यास ने बताया- उन्हेल इंगोरिया मार्ग पर जहांगीरपूरा गांव के पास सड़क चौड़ीकरण निर्माण का काम चल रहा है। जहां खाचरौद से इंदौर के लिए रवाना हुई बारातियों से भरी बस पलटी खा गई। बस में लगभग 50 से अधीक परिवार के सदस्य सवार थे जिसमें से 15 घायल हुए है। तत्काल ही उन्हें बस से निकलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने सभी की हालत खतरे से बाहर होना बताई, पांच को ज्यादा चोट लगी थी जिसके चलते उन्हें उज्जैन चरक अस्पताल रेफर किया गया। घायलों में महिला, पुरुष बच्चे सभी शामिल है।

चीख पुकार के बीच आए मददगार- बारातियों से भरी बस पलटने की सूचना पर आस पास के ग्रामीण मदद को आगे आए और सबने मिलकर रेस्क्यू किया। पीड़ित परिवार खाचरोद के रहने वाले मोहम्मद शेरू पिता माजिद हुसैन के पुत्र वकार का निकाह होने पर बारात लेकर इंदौर जा रहा था। बस पलटते ही बारातियों में हाहाकार मच गया। बच्चे और महिलाओं की चीख पुकार सुनाई देने लगी। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

बीमारी से परेशान सफाईकर्मी ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के सफाईकर्मी ने फांसी लगा ली। रस्सी टूटने से वह गिर पड़ा। पत्नी और बच्चे घर लौटे तो उसके गले में फंदा देखा। अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सफाईकर्मी बीमारी के चलते परेशान था।

वाल्मीकि नगर में रहने वाला दिलीप पिता बाबूलाल रूसी 45 साल विश्वविद्यालय में सफाईकर्मी था। देर शाम पत्नी और बच्चे डी-मार्ट खरीदारी करने गए थे। दिलीप घर पर अकेला था। देर रात 10.30 बजे के लगभग पत्नी और बच्चे वापस घर लौटे तो दिलीप जमीन पर पड़ा दिखाई दिया। उसके गले में रस्सी का फंदा था, दूसरा छोर ऊपर पंखे के एंगल से बंधा था। रस्सी टूटने से वह नीचे गिर पड़ा था। पत्नी और बच्चों ने उसे उठाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं उठा। रात 11 बजे के लगभग उसे अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी घटना स्थल पहुंची। मामले में मर्ग कायम कर शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि दिलीप तीन साल से परेशान चल रहा था। उसका हर माह डायलिसिस हो रहा था। एक माह में दो से तीन बार डायलिसिस होने से वह परेशानी में था। संभवतः इसी के चलते उसने फांसी लगा ली। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच करने की बात कही है।

रिमांड पर जानलेवा हमले के 6 आरोपी, 3 की तलाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कॉफी क्लब के बाहर अभिभाषक पर कातिलाना हमला करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। मुख्य आरोपी की पत्नी को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था।

नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि 20 मार्च को रात 11 बजे विश्वविद्यालय मार्ग पर रहने वाला अभिभाषक यश पिता योगेश भार्गव 27 साल दोस्त के साथ ट्रेजर बाजार के पास कॉफी क्लब पर आया था। कॉफी पीने के बाद लौटते समय आशीष पिता अशोक सारवान निवासी दानीगेट ने अपनी पत्नी आकृति सारवान और 8 अन्य साथियों के साथ मिलकर अभिभाषक पर कातिलाना हमला कर दिया था। मामले में जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया गया। 2 दिन बाद पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया था।

वही 5 दिन बाद आशीष के ठिकानों पर दबिश देकर उसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ के बाद उसके पांच साथी विजय उर्फ टोनी पिता अशोक कुमार जयसवाल त्रिवेणी हिल्स, राजा उर्फ राजेश पिता रमेश परमार एकता नगर, राहुल उर्फ अनमोल पिता रामेश्वर बैरागी कृष्णा रेसिडेंसी, विजेन्द्र उर्फ राजेश पिता भंवर सिंह गंगवाल संत रविदास नगर और पंकज उर्फ पंकेश पिता शांतीलाल सिलोदिया, निवासी महुखेड़ी को गिरफ्तार किया गया। गुरूवार सभी को कोर्ट में पेश कर 28 मार्च तक रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान सामने आया कि हमले में उनके साथ विक्की चौहान, सागर सूर्यवंशी और सौरभ भी शामिल थे। थाना प्रभारी के अनुसार तीनों फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर विक्रम व्यापार मेला, 35 हजार से ज्यादा वाहन बिके

कारों की सबसे ज्यादा डिमांड, छूट के चलते उमड़ी भीड़; दो दिन में टूट सकता है पिछले साल का रिकॉर्ड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज ग्राउंड पर चल रहा विक्रम व्यापार मेला इस बार रिकॉर्ड बनाने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार शाम तक मेले में कुल 35,717 वाहन बिक चुके हैं, जो पिछले साल के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच गया है। ऐसे में मेले के बचे दो दिनों में नया कीर्तिमान बनने की पूरी उम्मीद है।

मेले में वाहनों की खरीदी के लिए रोजाना भारी भीड़ उमड़ रही है। हालात यह हैं कि वाहन की डिलीवरी के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि इस बार सबसे ज्यादा मांग कारों की देखी जा रही है। अब तक बिके वाहनों में 27,885 कारें, 6,121 दोपहिया वाहन और 1,711 अन्य वाहन शामिल हैं। आरटीओ कर्मचारी नरेंद्र ढंढेरवाल के अनुसार, केवल गुरुवार को ही 1,730 वाहन बिके, जिनमें 1,385 कार, 267 दोपहिया और 78 अन्य वाहन शामिल रहे।

छूट बनी आकर्षण का केंद- 15 फरवरी से शुरू हुए इस मेले में गैर-परिवहन श्रेणी के वाहनों पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यही वजह है कि लोग बड़ी संख्या में वाहन खरीदने पहुंच रहे हैं। इस छूट का सीधा असर बिक्री पर दिखाई दे रहा है और हर दिन नए आंकड़े बन रहे हैं।

बड़े स्वरूप में सजा मेला- इस बार मेले का आयोजन पहले से कहीं बड़े स्तर पर किया गया है। यहां चौपहिया वाहनों की 123 दुकानें। दोपहिया की 40 दुकानें,फूड जोन की 60 दुकानें सहित कुल 223 दुकानें लगाई गई हैं, जिससे खरीदारों को एक ही जगह कई विकल्प मिल रहे हैं।

बढ़ाई गई मेले की अवधि- वाहनों की बढ़ती बिक्री को देखते हुए प्रशासन ने मेले की अवधि बढ़ा दी है। पहले यह मेला 19 मार्च को समाप्त होना था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 29 मार्च कर दिया गया है। इससे खरीदारों को अतिरिक्त समय मिल गया है।

पिछले साल के रिकॉर्ड पर नजर- पिछले वर्ष मेले में कुल 36,225 वाहन बिके थे और शासन को 186.58 करोड़ रुपए का राजस्व मिला था। इस बार मौजूदा आंकड़ों को देखते हुए यह रिकॉर्ड टूटना लगभग तय माना जा रहा है।

एक नजरमें विक्रम व्यापार मेला 2026

कुल वाहन बिक्री- 35,717
कारें- 27,885
दोपहिया- 6,121
अन्य वाहन- 1,711
गुरुवार की बिक्री- 1,730 वाहन
मेले की अंतिम तिथि- 29 मार्च

उज्जैन-इंदौर रेल मार्ग पर लगेगा ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम, ट्रेनों की रफ्तार और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में रेलवे सक्रिय, आसपास के स्टेशनों का भी होगा कायाकल्प

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने उज्जैन और आसपास के रेल नेटवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। इसी क्रम में उज्जैन-इंदौर और नागदा-भोपाल रेलखंड पर जल्द ही ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम लगाया जाएगा। इसके लिए रेलवे द्वारा शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम लागू होने से ट्रेनों की आवाजाही न केवल अधिक सुरक्षित होगी, बल्कि समय की भी बचत होगी। यह प्रणाली ट्रेनों के संचालन को स्मार्ट और तेज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में नागदा-गोधरा सेक्शन पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग का कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसी तर्ज पर अब उज्जैन-इंदौर और नागदा-भोपाल सेक्शन पर भी काम किया जाएगा। रेलवे का लक्ष्य है कि सिंहस्थ-2028 से पहले यह सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं।

इसके साथ ही उज्जैन के आसपास स्थित विक्रमनगर, चिंतामण पिंगलेश्वर और नईखेड़ी जैसे स्टेशनों का विकास और नवीनीकरण भी किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ इन स्टेशनों को आधुनिक रूप दिया जाएगा।

नईखेड़ी और चिंतामण के बीच नई लाइन विकसित की जाएगी, जिससे ट्रेनों को इंजन बदलने या दिशा बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे संचालन में तेजी आएगी और समय की बचत होगी।

कैसे काम करता है ऑटोमैटिक सिग्नल सिस्टम- इस सिस्टम में रेल ट्रैक को कई ब्लॉक्स में विभाजित किया जाता है। हर ब्लॉक में सेंसर लगे होते हैं, जो ट्रेन की स्थिति का पता लगाते हैं। यदि किसी ब्लॉक में ट्रेन मौजूद होती है तो पीछे आने वाली ट्रेन को स्वतः ही सिग्नल मिल जाता है और वह सुरक्षित दूरी बनाए रखती है।

इस तकनीक के लागू होने से ट्रेनों के बीच टक्कर की आशंका लगभग खत्म हो जाती है। साथ ही, एक ही ट्रैक पर अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो पाता है।

मैन्युअल सिस्टम से ज्यादा भरोसेमंद- जहां मैन्युअल सिग्नलिंग में मानवीय त्रुटि की संभावना बनी रहती है, वहीं ऑटोमैटिक सिस्टम पूरी तरह तकनीक और सेंसर पर आधारित होता है। इससे गलतियों की गुंजाइश बेहद कम हो जाती है और ट्रेनें समय पर चलने लगती हैं। रेलवे का मानना है कि सिंहस्थ के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए यह तकनीकी बदलाव बेहद कारगर साबित होगा और लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

तालाब में मिला लापता ढाई साल की मासूम का शव

परिवार के साथ आई थी विष्णु सागर, गुरुवार शाम से थी लापता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाकचौक विष्णु सागर से गुरुवार शाम लापता हुई ढाई साल की बालिका का शव शुक्रवार सुबह विष्णु सागर के ही तालाब से शव बरामद किया गया है। लापता होने के बाद एसडीआरएस की टीम में सर्चिंग की थी लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था सुबह गोताखोर ने 10 मिनट में बालिका को बाहर निकाल लिया।

राजीव रत्न मल्टी में रहने वाला कौर परिवार गुरुवार को विष्णु सागर पहुंचा था जहां घूमने और पिकनिक का आयोजन रखा गया था। शाम 4 के लगभग परिवार की ढाई वर्षीय मासूम बालिका रवनीत पिता मनमीतसिंह कौर अचानक लापता हो गई थी। बालिका के लापता होने पर हड़कंप मच गया था। जीवाजीगंज थाना पुलिस विष्णु सागर पहुंची थी। बालिका की तलाश शुरू की गई परिवार ने आशंका जताई कि कोई उठाकर ले गया है बालिका के पैरों में चांदी के कड़े भी थे। ढाई साल की बालिका को तलाशने के लिए आसपास के थानों की पुलिस के साथ ही डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीएसपी, थाना प्रभारी मैदान में आ गए थे, रात भर बालिका का कुछ पता नहीं चला, शुक्रवार सुबह 7.30 बजे के लगभग हेलावाड़ी क्षेत्र में रहने वाला गोताखोर इरफान उर्फ जुम्मा अपने दोस्त के साथ विष्णु सागर पहुंचा, और तालाब में तलाश शुरू की 10 से 15 मिनट बाद इरफान ने बालिका का शव तालाब से ही बाहर निकाल लिया। बालिका का शव मिलने की खबर मिलते ही परिवार में विष्णु सागर पहुंच गया था। थाना प्रभारी जीवाजीगंज ने बताया कि बालिका के लापता होने पर अज्ञात के खिलाफ का मामला दर्ज किया गया था, शव मिलने पर मर्ग कायम कर बॉडी पोस्टमार्टम के लिए भेजी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच शुरू की जाएगी संभावना है कि बालिका खेलते समय तालाब में गिरी होगी।

महिला पुलिसकर्मी का तलाश था शव- 6 माह पहले शिप्रा नदी के बड़े पुल से उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा की कार गिर गई थी। पुलिस प्रशासन के साथ होमगार्ड की टीम और शहर के गोताखोरी ने तलाश शुरू की थी, थाना प्रभारी अशोक शर्मा और उपनिरीक्षक मदनलाल का शव 2 दिन की तलाश में निकाल लिया गया था लेकिन महिला आरक्षक आरती पाल का शव नहीं मिला था। उसे वक्त भी इमरान उर्फ जुम्मा शिप्रा नदी पहुंचा था और उसने कुछ देर की तलाश के बाद तीसरे दिन महिला पुलिसकर्मी का शव खोज निकाला था।

युवा आपदा मित्रों का प्रशिक्षण 29 मार्च तक संचालित किया जा रहा है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत जिले में विभिन्न आपदाओं से निपटने युवा आपदा मित्रों के लिए प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। आपदा मित्र योजना का द्वितीय सत्र 23 मार्च से 29 मार्च तक होमगार्ड लाइन उज्जैन में संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण सत्र में 165 युवा आपदा मित्रों को जिला सेनानी होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट के निर्देशन में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में आपदा मित्रों को बाढ़, भूकंप, आगजनी एवं मेडिकल इमरजेंसी सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के गुर होमगार्ड लाइन उज्जैन में सिखाए जा रहे हैं। इस सत्र के चौथे एवं पांचवें दिवस में युवा आपदा मित्रों को तरण ताल उज्जैन में तैराकी का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में महिला आपदा मित्रों ने बढ़ चढ़कर प्रशिक्षण में भाग लिया। साथ ही आपदा के दौरान घायल व्यक्ति को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की विभिन्न टेक्निक्स सहित नवीन मेथड से किस प्रकार स्ट्रेचर तैयार करना है, इसका भी अभ्यास युवा आपदा मित्रों को कराया गया।

जिला सेनानी होमगार्ड श्री संतोष जाट ने बताया जिले में कुल 800 युवा आपदा मित्र तैयार किया जा रहे हैं। ये आपदा मित्र प्रशिक्षण उपरांत विभिन्न पर्व एवं त्योहारों पर महत्वपूर्ण ड्यूटियों का संपादन करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने जिले के विकासखंड घट्टिया के ग्राम कालूखेड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता अंतर्गत परामर्शदाता सुश्री रचना शर्मा द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें ग्राम के छात्रों ने भाग लिया और जल संरक्षण का संदेश देती हुई विभिन्न कलाकृतियों का चित्रांकन कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्टर की उपस्थिति में आज सुबह 8 बजे पंचक्रोशी यात्रा पड़ाव/उप पड़ाव स्थलों का भ्रमण किया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आज 28 मार्च सुबह 08 बजे कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की उपस्थिति में संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों द्वारा पंचक्रोशी यात्रा पड़ाव/उप पड़ाव स्थलों का भ्रमण किया जाएगा। भ्रमण में कलेक्टर श्री सिंह को निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंचक्रोशी यात्रा के पूर्व तैयारियों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे।

ओएस्टर रिन्यूएबल और जिंदल स्टेनलेस ने 315.6 मेगावाट हाइब्रिड पावर प्रोजेक्ट के साथ औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को दी गति

परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का कुल निवेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड है, और ओएस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने आज मध्य प्रदेश के आगर -मालवा में 315.6 मेगावाट के सौर-पवन (हाइब्रिड) नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के आंशिक कमीशनिंग की घोषणा की। यह परियोजना भारत के औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ओएस्टर रिन्यूएबल द्वारा विकसित इस परियोजना में कुल 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है, जिसमें जिंदल स्टेनलेस की 132 करोड़ रुपये की प्रतिबद्ध भागीदारी शामिल है। यह परियोजना मध्य प्रदेश और गुजरात में फैली हुई है, जिसमें लगभग 216 मेगावाट सौर और पवन ऊर्जा मध्य प्रदेश में तथा अतिरिक्त 99 मेगावाट गुजरात में उत्पन्न की जाएगी। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत मध्य प्रदेश इकाई से हो चुकी है, इसके बाद गुजरात इकाई का कमीशनिंग किया जाएगा।

यह परियोजना जिंदल स्टेनलेस के स्वच्छ और अधिक मजबूत ऊर्जा मिश्रण की ओर संक्रमण को समर्थन देने के लिए तैयार की गई है। यह बड़े पैमाने पर नवीकरणीय अवसंरचना की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है, जो औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।

इस परियोजना में बाइफेशियल सोलर मॉड्यूल्स को ट्रैकर सिस्टम के साथ तथा उन्नत सुजलॉन 3.15 मेगावाट पवन टर्बाइनों के साथ एकीकृत हाइब्रिड कॉन्फ़िगरेशन में स्थापित किया गया है। यह डिज़ाइन सौर और पवन दोनों संसाधनों का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन को संतुलित बनाता है, जिससे बिजली की उपलब्धता बेहतर होती है और उद्योगों के लिए स्थिर नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

इस अवसर पर ओएस्टर रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ सिद्धार्थ भाटिया ने कहा, यह परियोजना बड़े पैमाने पर हाइब्रिड अवसंरचना विकसित करने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की हमारी क्षमता को दर्शाती है। जिंदल स्टेनलेस के लिए विकसित यह एसेट सौर और पवन ऊर्जा के संयोजन के माध्यम से स्थिर, किफायती और स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे हर साल लगभग 6.5 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। भारत के नेट-जीरो लक्ष्यों की दिशा में औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही हम स्थानीय रोजगार और सामुदायिक विकास को भी प्राथमिकता देते हैं।

वहीं जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, देश की बढ़ती जरूरतों को पूरा करते हुए सतत विकास हमारी दीर्घकालिक रणनीति का आधार है। ओएस्टर रिन्यूएबल के साथ यह साझेदारी हमारे स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो को मजबूत करने और परिचालन में कार्बन तीव्रता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह की बड़े पैमाने की परियोजनाएं भारत में औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को तेज करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

परियोजना के पूरी तरह चालू होने के बाद, यह हर साल लगभग 6.5 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सक्षम होगी। साथ ही, यह ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए विश्वसनीय स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में हाइब्रिड नवीकरणीय समाधानों के बढ़ते महत्व को भी रेखांकित करती है।

औद्योगिक क्षेत्र में स्थिर नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग के बीच, इस तरह की परियोजनाएं यह दर्शाती हैं कि नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स और औद्योगिक उपभोक्ताओं के बीच साझेदारी भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के अलावा, इस परियोजना में निर्माण और कार्यान्वयन के दौरान स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी और क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला को भी शामिल किया गया, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों और सामुदायिक विकास को बढ़ावा मिला।